उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः10 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 06 अप्रैल-2026

अंदर के पृष्ठ पर

शहर की साक्षी असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य कर के पद पर हुई चयनित 7

मोबाइल की लत युवाओं के लिए खतरा, अब काबिलियत का पैमाना बनेगा डीक्यू : जिलाधिकारी 8

बरेली में भीषण हादसाः बड़ा बाइपास पर खड़े टैंकर से टकराई कार

पांच लोगों की मौत, बच्चों समेत तीन गंभीर घायल

»बीपीएस न्यूज

बरेली। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में बड़ा बाइपास पर रविवार शाम भीषण सड़क हादसा हो गया। बाइपास पर तीन वाहन भिड़ने से पांच लोगों की मौत हो गई। बच्चों समेत तीन लोग घायल हुए हैं।

बरेली के सीबीगंज में रविवार शाम करीब पांच बजे बड़ा बाइपास पर दर्दनाक हादसा हो गया। परधौली तिराहे के समीप बाइपास पर खड़े टैंकर से बोलेरो कार टकरा गई। इसी दौरान पीछे से आई बाइक कार में घुस गई। दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। दो बच्चों समेत तीन लोग घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।घायलों की हालत नाजुक बताई गई है।

बताया गया है कि शनिवार को इसी जगह पर शीरे से भरे टैंकर और रोडवेज बस की टक्कर हो गई थी। घटना के बाद से दुर्घटनाग्रस्त टैंकर मौके पर ही खड़ा था। नतीजन रविवार को एक और हादसा हो गया, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई।

पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

बाइक पर अटा कायस्थान निवासी 45 साल के साहबजाद खां और 65 साल के मुम्तत्याज खां बैठे थे। दोनों ही बाइक से तालाब में मछली पकड़ने जा रहे थे। हादसे में इन दोनों की ही मौत हो गई। इसके साथ ही बोलेरो सवार दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में बच्चों समेत तीन लोग घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। इनमें कुछ घायलों की हालत नाजुक बताई गई है। कार सवार मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

प्रेमी के लिए भाई का कत्लः शराब में मिलाया जहर, तड़प-तड़पकर भाई ने तोड़ा दम

मौत के बाद शव से लिपटकर रोई बहन

»बीपीएस न्यूज

मेरठ। तीन मौतों का मामला सुनियोजित हत्याकांड निकला। अंकित की बहन अलका के विरोधाभासी बयानों से साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस ने अलका और उसके प्रेमी पवन को हिरासत में लिया है। दौराला कस्बे में तीन लोगों की मौत के मामले में अंकित की बहन अलका के बयानों ने ही उसकी गर्दन कानून के शिकंजे में फंसा दी। जिसे शुरुआत में एक जहरीली शराब का हादसा माना जा रहा था वह अलका के विरोधाभासी बयानों के कारण एक सुनियोजित हत्याकांड की साजिश के रूप में सामने आया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान अलका का व्यवहार शुरू से ही संदिग्ध था। वह बार-बार अपने बयान बदल रही थी। पहले उसने खुद को पूरी तरह अनजान बताया और रोने-बिलखने का नाटक कर इसे सामान्य हादसा साबित करने की पूरी कोशिश की। जब पुलिस ने कड़ाई से शराब के स्रोत और घर की परिस्थितियों पर सवाल किए तो वह हर बार नई कहानी सुनाने लगी। उसके बयानों में तालमेल न होने के कारण पुलिस का शक उस पर गहराता चला गया।अधिकारियों का कहना है कि अलका लगातार इमोशनल ड्रामा रच रही थी ताकि जांच की सुई उसकी तरफ न मुड़े। वह बार-बार जांच अधिकारियों को गुमराह करने और तथ्यों को छिपाने का प्रयास करती रही लेकिन जब पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सख्ती का सहारा लिया तो वह टूट गई और सच्चाई उगल दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता और अलका के संदिग्ध आचरण को देखते हुए उसे और उसके प्रेमी पवन उर्फ पोली को हिरासत में ले लिया है। पुलिस का मानना है कि यह कोई इत्तेफाक नहीं बल्कि एकसोची-समझी साजिश थी। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है। जल्द ही पुलिस इस पूरे मामले का आधिकारिक रूप से खुलासा कर देगी।

यह है मामला-अंकित की बहन ने प्रेमी संग मिलकर शराब में मिलाया था जहरदौराला में तीन लोगों मौत के मामले में शनिवार को चौकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया है कि स्पेलर संचालक बाबूराम प्रजापति, जितेंद्र कश्यप व अंकित उर्फ दौलत की मौत शराब पीने से नहीं, बल्कि एक सोची-समझी हत्या थी। अंकित उर्फ दौलत की सगी बहन अलका ने ही अपने प्रेमी पवन उर्फ पोली के साथ मिलकर यह साजिश रची थी। पुलिस ने अलका और उसके प्रेमी पवन को हिरासत में ले लिया है। कड़ी पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि अंकित की बहन अलका का गांव के ही पवन उर्फ पोली के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अंकित इस रिश्ते का विरोध करता था जो अलका और पवन की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बना हुआ था। इसके अलावा अलका की नजर अंकित के हिस्से की जमीन पर भी थी। प्रेमी युगल ने योजना बनाई थी कि अंकित को रास्ते से हटाकर वे शादी कर लेंगे और जमीन बेचकर ऐश करेंगे।

एक की हत्या की योजना में तीन की गई जान

अलका और पवन ने अंकित को ठिकाने लगाने के लिए बेहद शातिराना तरीका अपनाया। उन्हें पता था कि अंकित शराब पीता है इसलिए उन्होंने घर में रखी शराब में जहर मिला दिया। अलका को डर था कि अगर अंकित अकेला मरता है तो शक की सुई उस पर घूम सकती है। इसलिए उसने शराब में जहर मिलाया ताकि यह एक सामान्य जहरीली शराब का मामला लगे।

प्रेमी के लिए मरवा डाला भाई

- अंकित को ठिकाने लगाने के लिए अपनाया शातिराना ढंग
- अलका को डर था, अगर अकेला मरा तो हो सकता है शक

कांग्रेस आई तो जेल जाने को रहें तैयार

राहुल गांधी का असम सीएम को अल्टीमेटम

- असम में 9 अप्रैल को मतदान होना है और चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।
- अमित शाह के इशारे पर काम कर रहे हैं सीएम

»बीपीएस न्यूज

असम। असम चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट सीएम बताते हुए जेल भेजने की चेतावनी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरमा दिल्ली के इशारे पर काम कर रहे हैं और कांग्रेस के बब्बर शेर सत्ता में आने पर उन्हें भ्रष्टाचार के लिए नहीं बख्शेंगे।असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राहुल गांधी ने बिस्वनाथ में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर कड़ा प्रहार करते हुए भ्रष्टाचार और परिवारवाद के गंभीर आरोप लगाए।

राहुल गांधी ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने परिवार को भ्रष्टाचार में शामिल कर बड़ी भूल की है। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राहुल गांधी ने तीखे लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री को उनके किए के लिए माफी नहीं मिलेगी और उन्हें जेल भेजकर ही दम लिया जाएगा।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री करार देते हुए कहा कि वह नफरत की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा घबराए हुए हैं क्योंकि उन्हें पता है कि कांग्रेस के बब्बर शेर उन्हें छोड़ने वाले नहीं हैं।

असम की विविधता का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, असम एक फूलों के गुलदस्ते जैसा है, जहां हर समुदाय इसकी असली ताकत है। उन्होंने गोरखा समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले इस समाज ने राष्ट्र को बहुत कुछ दिया है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि असम की सरकार दिल्ली से नियंत्रित हो रही है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पास मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार का पूरा कच्चा चिट्ठा है, इसलिए हिमंता वही करते हैं जो उन्हें ऊपर से कहा जाता है। उन्होंने फिर दोहराया कि भ्रष्टाचार के इस मामले में अब मुख्यमंत्री का परिवार भी कानूनी कार्रवाई की जद में आएगा।

नफरत बनाम असम के गौरव की लड़ाईवहीं, गुवाहाटी में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के भीतर भारी असंतोष है। उन्होंने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा की हताशा साफ झलक रही है।

ईरान युद्ध ने बिगाड़ा बजट, अमेरिकी जनता पर बढ़ रहा महंगाई का बोझ

»बीपीएस न्यूज

वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ युद्ध ने अमेरिकियों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अपनी डिलिवरी पर ईंधन अधिभार की घोषणा की है और कुछ एयरलाइन कंपनियों ने ईंधन की ऊंची लागत की भरपाई के लिए चेक-इन बैगेज पर शुल्क बढ़ा दिया है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत शुक्रवार को 4.09 अमेरिकी डॉलर प्रति गैलन पर पहुंच गई है। यह युद्ध से ठीक पहले की तुलना में एक डॉलर से अधिक है और अगस्त, 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है।

डीजल की लागत भी पिछले साल के 3.64 डॉलर प्रति गैलन से बढ़कर शुक्रवार को 5.53 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। ये आंकड़े अमेरिकी परिवहन संघ (एएए) ने जारी किए हैं। डीजल का अन्य उद्योगों के अलावा व्यापक रूप से कृषि, निर्माण और परिवहन क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाता है। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने यह भी कहा कि वह 17 अप्रैल से तीसरा पक्ष विक्रेताओं पर 3.5 प्रतिशत ईंधन अधिभार जोड़ने की योजना बना रही है। अमेरिकी डाक सेवा ने बुधवार को कहा कि वह अस्थायी रूप से आठ प्रतिशत का ईंधन अधिभार लगाने की कोशिश कर रही है।डाक सेवा ने अपनी वेबसाइट पर दी जानकारी में कहा कि अगर डाक नियामक आयोग द्वारा मंजूरी दी जाती है, तो यह अधिभार 26 अप्रैल से लागू होगा और 17 जनवरी, 2027 तक जारी रहेगा।

माना जा रहा है कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध लंबा खिंचता है, तो यह अमेरिका में आपूर्ति श्रृंखला में भी व्यवधान पैदा करेगा। न्यूयॉर्क की विश्लेषक रैशल जिएम्बा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अमेरिका इससे बच पाएगा। ये वैश्विक बाजार है।वाशिंगटन पोस्ट ने जिएम्बा के हवाले से लिखा, एक सप्ताह पहले भी विशेषज्ञ चिंतित थे, अब उनकी चिंता और बढ़ गई है। शिकॉगो के फेडरल रिजर्व बैंक के अध्यक्ष ऑस्टन गूल्सबी ने कहा, अगर परिवहन लागत बढ़ना शुरू होती है, तो यह अन्य कीमतों पर भी असर दिखाएगी। उन्होंने कहा, तो मुझे लगता है कि यह निकट भविष्य में आप उपभोक्ताओं पर इसके असर को महसूस करेंगे। लोग पहले से ही जीवनयापन की बढ़ती लागत को लेकर चिंतित हैं।

ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी, कहा- होर्मुज नहीं खोला गया तो ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर किए जाएंगे हमले

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर अवरुद्ध होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने रविवार सुबह एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर जलमार्ग को समुद्री यातायात के लिए नहीं खोला गया, तो ईरान को नरक में भेज दिया जाएगा।

इससे पूर्व, ट्रंप ने दो हफ्ते पहले हमले की धमकी दी थी, लेकिन उन्होंने जलमार्ग को खोलने की समयसीमा दो बार बढ़ाई थी। उन्होंने कहा था कि कि ईरानियों के साथ बातचीत में कुछ सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, युद्ध के कूटनीतिक समाधान की दिशा में प्रगति होने के संकेत बहुत कम दिखे हैं।

गहराते एलपीजी संकट से धुएं में घुटती रोजी-रोटी

झुग्गी वाले ज्यादा परेशान, सरकार का दावा- सब ठीक

»बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।दिल्ली में गहराते गैस संकट ने अब छोटे ढाबों और रेहड़ी-पटरी पर खाना बेचने वालों की रोजी-रोटी पर सीधा असर डाला है। पहले जहां एलपीजी सिलेंडर की नीली लौ पर दाल-रोटी पकती थी, वहां लकड़ी और कोयले के चूल्हे जल रहे हैं। धुएं के बीच खाना बनाना मजबूरी बन गया है और बढ़ती लागत ने छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ दी है।आउटर रिंग रोड सीमापुरी में सड़क किनारे ढाबा चलाने वाले बृजेश ने बताया कि पिछले कई दिनों से गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिल रहा है। एजेंसी जाने पर स्टॉक खत्म होने की बात कही जाती है। मजबूरी में लकड़ी का चूल्हा जलाना पड़ रहा है। पहले एक सिलेंडर से कई दिन काम चलता था लेकिन अब रोज लकड़ी खरीदनी पड़ती है जिससे खर्च बढ़ा और मुनाफा घटा है।भजनपुरा में ठेला लगाकर खाना बेचने वाले सोनू ने कहा कि बाजार में गैस ब्लैक में मिल रही है जिसकी कीमत 3000 से ज्यादा है। जो छोटे दुकानदारों के लिए बहुत महंगा है। सिलेंडर खरीदने पर खाने का रेट बढ़ाना पड़ेगा, जो हर कोई ग्राहक नहीं दे पाएगा। ऐसे में लकड़ी और कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है। धुएं में काम करने से आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होती है।सीलमपुर के ढाबा संचालक मो. रसीद का कहना है कि गैस कमी का असर ग्राहकों की संख्या पर भी पड़ा है। लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनने में समय ज्यादा लगता है, ग्राहक इंतजार नहीं कर पाते और दूसरे जगहों पर चले जाते हैं। अब आधी कमाई भी मुश्किल हो गई है।

करावल नगर में चाय और पराठा बेचने वाले आलोक तिवारी बताते हैं कि गैस संकट ने छोटे ढाबों को पुराने दौर में धकेल दिया है। लकड़ी के चूल्हे पर काम करना मुश्किल है, साथ ही धुएं और गर्मी के कारण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। अगर जल्द गैस आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो छोटे ढाबे बंद हो सकते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस संकट का ज्यादा असर गरीब और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। बड़े होटल और रेस्टोरेंट किसी तरह सिलेंडर का इंतजाम कर लेते हैं लेकिन छोटे ढाबे वालों के पास सीमित संसाधन हैं। ऐसे में प्रशासन और आपूर्ति विभाग से गैस की नियमित आपूर्ति करने की मांग तेज हो गई है।

छोटे सिलिंडर की कमी, दिहाड़ी मजदूरों की रसोई पर पड़ रहा असर

राजधानी में एलपीजी की आपूर्ति में कमी ने दिहाड़ी मजदूरों की रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। गैस एजेंसियों पर बड़े सिलिंडरों के लिए लंबी कतारें लगी हैं, वहीं छोटे सिलिंडर भी आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में छोटे सिलिंडरों पर निर्भर मजदूरों को गैस के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। कई इलाकों में गैस भरने वाली दुकानें बंद पड़ी हैं और जहां पहले भीड़ रहती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है।

चुनावी राज्यों में चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा है कि 2026 के विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद से कानून लागू करने वाली देश की विभिन्न एजेंसियों ने अब तक 650 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब, मादक पदार्थ, कीमती धातुएं और अन्य प्रलोभन सामग्री जब्त की है। आयोग ने रविवार को आधिकारिक आंकड़े जारी करते हुए बताया कि 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों तथा छह राज्यों में उपचुनावों की घोषणा के बाद आदर्श आचार संहिता के सख्त अनुपालन को प्राथमिकता दी गयी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 26 फरवरी से पांच अप्रैल के बीच कुल 651.51 करोड़ रुपये की जब्ती हुई, जिसमें 53.2 करोड़ रुपये नकद, 79.3 करोड़ रुपये की शराब, 230 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 58 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 231 करोड़ रुपये से अधिक की अन्य वस्तुएं शामिल हैं। राज्यों में पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 319 करोड़ रुपये की जब्ती हुई, इसके बाद तमिलनाडु में 170 करोड़ रुपये, असम में 97 करोड़ रुपये, केरल में 58 करोड़ रुपये और पुडुचेरी में 7 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गयी। आयोग ने बताया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए 5,173 से अधिक उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं।

केजरीवाल की हाईकोर्ट में अर्जी :जस्टिस से शराब घोटाला केस में अलग होने की मांग

»बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और कथित शराब घोटाले के अन्य पूर्व आरोपियों ने दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से मामले से अलग होने की अर्जी दी है। केजरीवाल सोमवार को खुद अदालत में पेश होकर दलील रखेंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में खुद को मामले से अलग करने की अर्जी दी। यह अर्जी कथित शराब घोटाले से संबंधित है। अन्य पूर्व आरोपियों ने भी न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष ऐसी अर्जी दी। अरविंद केजरीवाल सोमवार को अदालत में स्वयं अपनी दलील रखेंगे।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को अम्बेडकर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक

(बी.पी.साहू)

मो-8423454502,

व्हाट्सअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय .....

संवैधानिक संस्थाओं की अग्निपरीक्षा

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दर्शाने वाला है।बहरहाल, मालदा के कालियाचक में भीड़ द्वारा अभिव्यक्त आक्रोश और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का घटनाक्रम यह बताता है कि लोगों में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर व्यापक असंतोष है। यद्यपि कानून व्यवस्था को हाथ में लेना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही घटना का आकलन न कर पाना और समय रहते कार्रवाई न करना, तंत्र की विफलता को ही दर्शाता है। जिसे कानून व्यवस्था की नाकामी ही कहा जा सकता है। जब राज्य में एसआईआर काम में लगे लोगों को पहले से लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा था, तो इस कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लोगों में उपजे अविश्वास के मद्देनजर इस दिशा में सतर्क पहल जरूरी थी। इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम बंगाल में व्यापक पैमाने पर विदेशियों की घुसपैठ की समस्या रही है। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया द्वारा मतदाताओं की पड़ताल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय है। लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते व जरूरी कागजों के उपलब्ध न होने से कुछ वैध मतदाताओं को अपनी वैधता की पुष्टि के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चिंताओं को भी समझने की जरूरत है। ऐसे मतदाताओं के अविश्वास को भी दूर करने की जरूरत है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया पर शुरू से ही नजर बनाये हुए है। चुनाव आयोग भी दावा कर रहा है कि किसी योग्य मतदाता के साथ अन्याय नहीं होगा। इसी मकसद से ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया पर निगरानी के मकसद से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती की थी। लेकिन विडंबना है कि उन्हें ही आक्रोशित भीड़ ने बंधक बनाया। लेकिन इसके बावजूद सरकारी तंत्र को लोगों के बीच भरोसा कायम करने का प्रयास करना चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि राज्य के राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने के बजाय मतदाताओं को तर्कपूर्ण ढंग से स्वतंत्र व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने के लिये प्रेरित करेंगे।

संवेदनशीलता और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत

निरंजन भंडारी

ऑटिज्म की समस्या से पीड़ित के जीवन का हर पहलू प्रभावित होता है। दूसरों की बात समझना व खुद की कहना चुनौतीपूर्ण होता है। इनके लिए शीघ्र निदान तथा विकासात्मक सहयोग अहम है। वहीं संवेदनशील समावेशी-सुलभ हेल्थ केयर सेवाओं की जरूरत है।ऑटिज़्म' नामक डिसऑर्डर दुनियाभर में तेज़ी से फैल रहा है। 'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ 2021' पर आधारित अध्ययन के अनुमानों के अनुसार, 61.8 मिलियन यानी 6 करोड़ 18 लाख लोग इस समस्या से पीड़ित पाए गए। इसमें महिलाएं, पुरुष तथा बच्चे सभी शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, विश्व का हर 127वां व्यक्ति ऑटिस्टिक है। खासकर वर्ष 2000 के बाद से ऑटिज़्म के मामलों में 178 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में इसका प्रसार अधिक है। प्रति एक लाख पुरुषों पर ऑटिज़्म के 1,065 केस सामने आए, जबकि महिलाओं में यह संख्या 508 है।

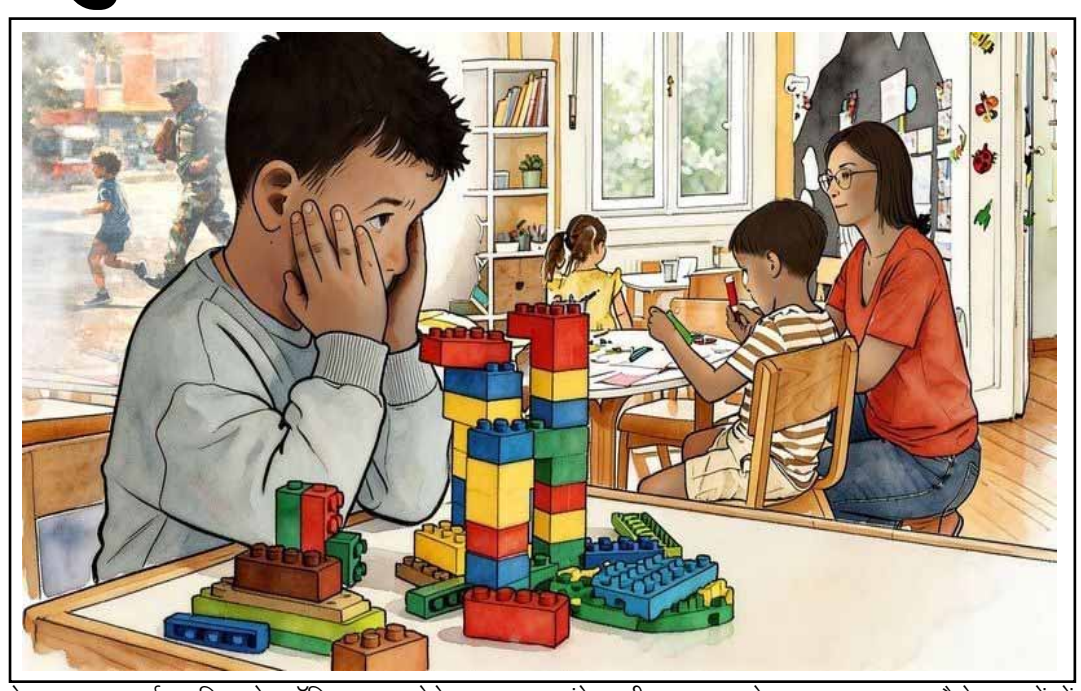

'ऑटिज़्म' यानी ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) से अभिप्राय एक आजीवन न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जो सामाजिक व्यवहार तथा संचार के तरीकों को काफी हद तक प्रभावित करती है। इससे पीड़ित लोग न तो दूसरों की बात ठीक से समझ पाते हैं, न ही खुद को अभिव्यक्त कर पाते हैं।अध्ययन के दौरान ऑटिज़्म के बारे में कई तथ्य उजागर हुए, जिसके नतीजे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल लैंसेट साइकियाट्री में प्रकाशित किए गए। शोधकर्ताओं के मुताबिक़, ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर 20 वर्ष से कम आयु के बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़ी 10 सबसे ग़ैर-घातक में चुनौतियों में से एक है। इसके बावजूद यह समस्या जीवन के हर पहलू पर असर डालती है।ऑटिज़्म से प्रभावित होने में कोई अकेला कारक उत्तरदायी नहीं माना जा सकता। यद्यपि मुख्य रूप से यह आनुवंशिक कारणों तथा मस्तिष्क के विकास में अंतर से संबद्ध है फिर भी आहार, व्यायाम, निद्रा, तनाव, अवसाद, प्राकृतिक वातावरण एवं जीवनशैली जैसे अनेक कारक इसमें प्रभावी भूमिका निभाते हैं। गर्भावस्था के दौरान संक्रमण या तनाव होना, माता द्वारा कुछ दवाओं का सेवन, समय-पूर्व अथवा सामान्य आकार से छोटे बच्चे का जन्म होना, पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आना आदि ऑटिज़्म के ज़ोख़िम कारक हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक आयु में गर्भाधारण करना भी बच्चे के ऑटिस्टिक होने का कारण बन सकता है। एएसडी ग्रस्त बच्चे के छोटे जैविक भाई-बहन में ऑटिज़्म का खतरा 3-10 प्रतिशत अधिक पाया गया। विशेषकर जुड़वां बच्चों में यह दर ज़्यादा रही। चिकित्सकों के अनुसार, गर्भस्थ शिशु के ऑटिज़्मग्रस्त होने का पता लगाना संभव नहीं, चूंकि इसके लक्षण जन्म उपरांत ही प्रकट होते हैं। आमतौर पर 12-18 माह की आयु में या इससे पूर्व ही इन्हें देखा जा सकता है। ये सामान्य से लेकर गंभीर हो सकते हैं। अधिकतर मामलों में यह स्थिति जीवनपर्यन्त बनी रहती है।नवजात शिशु की दैनिक क्रियाएं स्वयं ही इस संदर्भ में विभिन्न तरह के संकेत देती नज़र आती हैं, जैसे- दूसरों की भावनाएं समझने में कठिनाई, अकेले रहना, देरी से बोलना-बिल्कुल न बोलना अथवा एक ही शब्द बारंबार दोहराना, परिवर्तन के प्रति असामान्य प्रतिक्रिया, हाथ फड़फड़ाना, तेज़ आवाज़, लाइट या विशिष्ट बनावट, गंध के प्रति बेहद संवेदनशील होना, वस्तु विशेष की ओर बार-बार इशारा करना, मां की आवाज़ अनसुनी करना, अधिकतर हाथों के बल चलकर दूसरों के पास जाना, आई कॉन्टैक्ट न बनाना आदि। एक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर होने के चलते ऑटिज़्म के लक्षण भिन्न-भिन्न होते हैं, जिसके तहत प्रभावित लोगों को न्यूनतम से लेकर आंशिक या 24 घंटे तक की देखभाल की जरूरत हो सकती है।

ऑटिज़्म का निदान अमूमन 18-24 माह के व्यावहारिक अवलोकनों के जरिये ही किया जाता है। हालांकि, इसका समुचित इलाज उपलब्ध नहीं किंतु प्रारंभिक काल में ही स्पीच थेरैपी, व्यवहार थेरैपी (जैसे एबीए), ऑक्यूपेशनल थेरैपी आदि देने से जीवन में काफी हद तक सुधार आ सकता है।

हर ऑटिस्टिक व्यक्ति अपने आप में अलग होता है, अतः उनके सीखने, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, संवेदनशीलता तथा दोहरावदार व्यवहार जैसे लक्षणों में विरोधाभास होना भी स्वाभाविक है। कुछेक ऑटिस्टिक व्यक्तियों में विलक्षण प्रतिभाएं भी देखने को मिलेंगी, ऐसे लोग अपनी रचनात्मकता के बल पर समूचे जगत को अचंभित करने का सामर्थ्य रखते हैं। शोधकर्ताओं की मानें तो इतिहास की अनेक नामचीन हस्तियों (अनुमानित, विस्तारित स्पेक्ट्रम) में ऑटिज़्म के लक्षण पाए गए। इन प्रतिभाओं में भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन, गणितज्ञ तथा भौतिक विज्ञानी आइजैक न्यूटन, प्रसिद्ध आविष्कारक निकोला टेस्ला, संगीतकार वोल्फगैंग एमाडेउस मोज़ार्ट आदि का नाम प्रमुख तौर पर लिया जा सकता है। भारत के पहले विख्यात ऑटिस्टिक फ़ैशन मॉडल, जिन्होंने स्टीरियोटाइप को तोड़कर मॉडलिंग के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय पहचान बनाई, का नाम भी इसी सूची में शामिल है। इनकी सफलता दर्शाती है कि ऑटिज़्मग्रस्त लोग किसी से कम नहीं, अपनी विशिष्ट रुचियों व क्षमताओं का सही उपयोग करके वे समाज में अहम योगदान दे सकते हैं।

ऑटिज़्म पीड़ितों के लिए शीघ्र निदान तथा विकासात्मक सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। वहीं स्वास्थ्य प्रणालियों को ऑटिज़्म के प्रति प्रतिक्रियात्मक बनाने के लिए समावेशी-सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की जरूरत है। ऑटिज़्म वास्तव में, कोई बीमारी न होकर मस्तिष्क के अलग तरह से कार्य करने की स्थिति है। तो क्यों न समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समभाव से ससम्मान अपनाया जाए? 'ऑटिज़्म और मानवता-हर जीवन का मूल्य है', साल 2026 का थीम भी यही कहता है।

राघव का मुद्दा काबिल-ए-तारीफ ही नहीं बल्कि बाकी नेताओं के लिए एक आईना है

राघव चड्ढा साबित हो रहे एक अच्छे सीएम चेहरा

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

राघव चड्ढा ने जिस तरह आम जनता के असली मुद्दों को बेबाकी से सदन में उठाया है उसे सुनकर बेईमान नेताओं का तमतमाना तो बनता है। अपने को जनहितैषी कहने वाले लोकप्रिय नेताओं के कानो में गर्म तेल उड़ेलने वाले सांसद राघव चड्ढा ने ना सिर्फ बेबाकी से रिचार्ज, रोजगार, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर बेखौफ होकर आवाज उठाई है बल्कि सदन के नामी नेताओं को लज्जित कर जनता की आँखे खोल दी है और अब ज़ब लोग एक सुर में राघव चड्ढा को सीएम मटेरियल कहने लगे तो यह बात आम आदमी पार्टी सहित सत्ता और विपक्ष के नेताओं को नागवार गुजरी। ऐसे में यह तो होना ही था कि राघव को उपनेता पद से हटाया जाए और बोलने से रोका जाए।

राघव का मुद्दा काबिल-ए-तारीफ ही नहीं बल्कि बाकी नेताओं के लिए एक आईना है। आज देश को ऐसे पढ़े-लिखे, समझदार और जमीनी सच्चाई से जुड़े नेताओं की जरूरत है, जो सवाल पूछने की हिम्मत रखते हों, न कि सिर्फ सत्ता के आगे झुकने और जातिवादी राजनीति करने की आदत पर खुद की तिजोरी भरते हो। सच तो ये है कि अनपढ़ और मुद्दों से भटके हुए नेता कभी भी ऐसे तीखे और जनता से जुड़े सवाल नहीं उठा सकते।

उन्हें न तो जनता की तकलीफ समझ आती है, और न ही सिस्टम से जवाब मांगने की हिम्मत होती है। अब वक्त आ गया है कि देश की जनता भी समझे हमें भाषण देने वाले मोदी ङ्क शाह, अखिलेश ङ्क ममता, मोहन ङ्क सिद्धरमईया जैसे बड़बोले नेता नहीं बल्कि राघव और प्रियंका चतुर्वेदी जैसी जवाब मांगने वाले नेता चाहिए।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि राघव चड्ढा बेवफ़ा हैं क्यूंकि उन्होंने असली मुद्दा उठा दिया जिसके बाद उनपर कार्यवाही होना लाजमी था पर आब इतना तो तय है कि पूरे देश में राघव कही से भी चुनाव लड़े सामने वाले नेता को कड़ी टक्कर दे लेंगे क्यूंकि उन्होंने जनता के नब्ज को पकड़ा है। अरविंद केजरीवाल ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी डिप्टी लीडर पद से हटा दिया है और राज्यसभा सचिवालय को चिट्ठी लिखी है कि उनको संसद में बोलने न दिया जाए जिसपर जनता ने बहुत तीखी प्रतिक्रिया दी है जिसका खामियाजा आगामी चुनाव में केजरीवाल को भुगतना पड़ सकता है। खबर यहां तक है कि पार्टी चाहती थी कि राघव एलपीजी क्राइसिस और भारत की विदेश नीति पर भी ना बोले ,पर राघव ने ऐसा करने से मना कर दिया उन्होंने कहा जनता ने उन्हें सवालों और विकास के लिए वोट दिया है और इसके लिए वो सदन में मुखर रहेंगे।

इसके बाद आप पार्टी ने कड़े कदम उठाए है। राघव और आम आदमी पार्टी की खींचतान देखने में आम लगता है पर यह अभी और दिलचस्प होगा, जो उस निचले स्तर तक जाएगी तो जिस स्तर तक स्वाति मालिवाल पहुंच गई थी, लेकिन कुछ तो वजह है कि यूंही कोई बेवफ़ा नहीं होता।केजरीवाल और भगवंत मान के चार्टर्ड प्लेन में यात्रा को लेकर पूछे गए सवाल पर अवध ओझा ने कहा कि क्या वे बैलगाड़ी पर चलें? उन्होंने बताया कि आज के दौर में तेज परिवहन और बेहतर संचार इसलिए विकसित किए गए हैं, ताकि समय की बचत हो सके. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर उन्हें यहां से गुवाहाटी क्लास लेने जाना हो और वे ट्रेन से जाएं, तो इसमें करीब 24 घंटे लग जाएंगे. ऐसे में विमान या बेहतर साधनों का उपयोग करना जरूरत है, न कि दिखावा। अवध ओझा ने कहा कि अगर एक आम आदमी मेहनत करके ऊंचाई तक पहुंच सकता है, तो उसकी लाइफस्टाइल भी बदलेगी. अगर मुझे कहीं जल्दी जाना हो, तो मैं भी समय बचाने के लिए तेज साधन चुनूंगा।

इसका मतलब यह नहीं कि वह व्यक्ति आम आदमी से दूर हो गया है. अवध ओझा ने आगे कहा कि देश में आम आदमी ही असली राजा है और नेताओं की भी अपनी जिम्मेदारियां होती हैं. अगर कोई नेता चार्टर्ड प्लेन में यात्रा करता है, तो वह उसकी जरूरत के हिसाब से होता है. उन्होंने कहा कि निजी जीवन में नेता, आम आदमी की तरह ही रहते हैं. राघव भी आम आदमी पार्टी से राज्यसभा के सांसद हैं और स्वाति मालीवाल भी उसी कैडर से आती है पर स्वाति एक मौका परस्त नेता है जबकि राघव शुरू से ही संयमित रहें है।

इनका राज्यसभा कार्यकाल 2028 मध्य तक है तो स्वाति का 2030 शुरू तक। केजरीवाल अगर राघव और स्वाति को पार्टी से निकालते हैं तो भी उनकी राज्यसभा सदस्यता बनी रहेगी। हां अगर राघव

और स्वाति खुद आम आदमी पार्टी छोड़ते हैं और किसी दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं तो वो राज्यसभा चेयरमैन की ओर से राज्यसभा की सदस्यता से अयोग्य क़रार दिए जा सकते हैं क्योंकि यहां दल बदल विरोधी क़ानून लागू होगा। पर राघव ने अपने लिए जमीन तैयार कर ली है।

जबकि स्वाति मालीवाल अब राजनीति में गर्त की ओर बढ़ चली है।इसलिए ये 'लव एंड हेट' स्टोरी अभी ऐसे ही चलती रहेगा। राघव चड्ढा ने पिछले कुछ समय से अपने राजनीतिक जमीन को खुद के दम पर मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर जो मुद्दे उठाने की मुहिम छेड़ रखी है वह किसी भी पार्टी और उसके नेताओं का जनता से कोई लेना-देना नहीं। राघव की अपनी पीआर टीम है जिसके ज़रिए केवल अपना प्रचार करते हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह शराब घोटाले में कोर्ट से बरी हुए तो राघव का कोई बयान सामने नहीं आया। सीबीआई इस फ़ैसले के ख़िलाफ़ दिल्ली हाईकोर्ट गई, वहां सीबीआई की दलील को सही माना, राघव फिर भी चुप रहे। आश्चर्यजनक ढंग से राघव जो भी मुद्दा उठाते हैं, सरकार उन्हें पूरा समर्थन भी देती है।

राघव ने एयरपोर्ट्स पर सस्ते समोसे, ई-कॉमर्स कंपनियों के गिग वर्कर्स की परेशानियों, टेलीकॉम कंपनियों की ओर से बिल के लिए महीना 28 दिन माने जाना जैसे मुद्दे उठाए तो सरकार ने सभी पर राघव का साथ दिया। दरअसल बीजेपी के पास शशि थरूर या राघव चड्ढा जैसे चार्मिंग चेहरों की कमी है, इसीलिए दोनों पर डोरे डाले जा रहे हैं। राघव चड्ढा पर एक?शन के बीच अरविंद केजरीवाल से जुड़े एक विवाद में शिक्षाविद् और आम आदमी पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ चुके अवध ओझा ने बयान दिया है।

अवध ओझा ने अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के चार्टर्ड प्लेन में सफर को लेकर प्रतिक्रिया दी है। वहीं, शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल को राहत मिलने के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वे उन्हें भगवान मानते हैं, तो उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को भगवान मानना गलत है और यह चापलूसी होगी. उन्होंने केजरीवाल की तारीफ करते हुए उन्हें एक बहुत अच्छा नेता बताया,

जिनके पास शानदार विजन है. अवध ओझा ने कहा कि उन्होंने केजरीवाल के साथ कई बार लंबी बैठकों में समय बिताया है, जहां शिक्षा, औद्योगिकीकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा होती थी. केजरीवाल देश के भविष्य के नेता बन सकते हैं, क्योंकि लोग धीरे-धीरे बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य की जरूरत को समझ रहे हैं।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

एक महीने से बंदरगाहों पर फंसे कंटेनर, निर्यातकों की बढ़ी धड़कनें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध के कारण कानपुर की करीब 1000 स्स्स्थ इकाइयों का निर्यात भुगतान फंस गया है। 45 दिनों में पैसा न आने पर बैंक खाते एनपीए होने और फ्रीज होने का खतरा मंडरा रहा है।

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से कानपुर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बैंक खातों पर नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) का खतरा मंडरा रहा है। युद्ध के कारण औद्योगिक उत्पादन में संकट और कच्चे माल व ईंधन की कमी जैसी चुनौतियां पहले से ही थीं। अब निर्यात की गई खेप के भुगतान में देरी से यह नई समस्या उत्पन्न हो गई है।

शहर में करीब 800 से एक हजार से ज्यादा एमएसएमई इकाइयों के सामने ऐसी स्थिति जल्द देखने को मिल सकती है। उद्योग संगठन सरकार से भुगतान की समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। औद्योगिक इकाइयों की ओर से निर्यात किए गए माल का भुगतान 45 दिनों के भीतर होना अनिवार्य है। इस अवधि में भुगतान न होने पर बैंक खाते को एनपीए घोषित कर देते हैं। एनपीए होने पर बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाते हैं, जिससे सभी लेनदेन रुक जाते हैं।

शहर की कई निर्यात इकाइयों ने विभिन्न देशों को अपनी खेप भेजी थी। यह खेप युद्ध के कारण संबंधित खरीदारों तक नहीं पहुंच पाई है। बड़ी संख्या में इकाइयों का माल अभी भी समुद्री रास्तों में फंसा हुआ है।

इस स्थिति के कारण निर्यातक साख पत्र (लेटर ऑफ क्रेडिट) का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। साख पत्र का उपयोग न होने से भुगतान नहीं हो रहा है। इससे बैंक इन इकाइयों के खाते फ्रीज होने का खतरा बन गया है।लघु उद्योग भारती कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष संदीप अवस्थी ने बताया कि युद्ध से एमएसएमई इकाइयों के सामने नया संकट आ गया है। अवस्थी ने बताया कि निर्यात किया गया माल अभी भी समुद्र में या बंदरगाहों पर फंसा है। कई इकाइयों का तैयार माल डंप है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से विदेशी खरीदारों को कंसाइनमेंट नहीं मिले हैं, जिससे भुगतान रुका है। उन्होंने सरकार से राहत और भुगतान की समय सीमा बढ़ाने की मांग की। शहर की 70 से 80 फीसदी एमएसएमई बैंक के कर्ज पर निर्भर हैं।

गुलाबी बिल्डिंग में तनाव, शराब ठेके के विरोध में अड़ी जनता, भारी पुलिस बल तैनात

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर की गुलाबी बिल्डिंग में शराब ठेके के विरोध में क्षेत्रीय जनता और आबकारी अधिकारियों के बीच भारी हंगामा और तीखी बहस हुई। स्थिति को संभालने के लिए एडीसीपी और एसीपी समेत भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद है।

कानपुर में गुलाबी बिल्डिंग स्थित शराब ठेके के बाहर चल रहा क्षेत्रीय जनता का धरना बुधवार को हंगामे में तब्दील हो गया।

मौके पर पहुंचे आबकारी विभाग के अधिकारियों और स्थानीय लोगों के बीच जमकर तीखी बहस हुई। क्षेत्रीय महिलाओं और पुरुषों ने ठेके को वहां से हटाने की मांग को लेकर जबरदस्त नारेबाजी की, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

धरनास्थल पर जब आबकारी विभाग के अधिकारी वार्ता करने पहुंचे, तो क्षेत्रीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय निवासियों ने अधिकारियों पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए उनसे सीधा सवाल-जवाब किया। इस दौरान दोनों पक्षों में काफी देर तक नोकझोंक चलती रही। लोगों ने कहा कि गुलाबी बिल्डिंग जैसे व्यस्त क्षेत्र में शराब ठेके से अराजकता फैलती है और महिलाओं का निकलना दूभर हो गया है।

कोंग्रेसियों ने महंगी किताबों और अभिभावकों के शोषण के खिलाफ प्रदर्शन कर की पदयात्रा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में महंगी शिक्षा, महंगी किताबों और अभिभावकों के हो रहे शोषण के खिलाफ जीआईसी चौराहा, चुन्नीगंज पर जोरदार प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन के दौरान पोस्टर जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार से अभिभावकों के उत्पीड़न को तत्काल बंद कराने की मांग की। साथ ही चुन्नीगंज चौराहे से लढ्ढष्ट चौराहे तक पदयात्रा भी निकाली। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे और जमकर नारेबाजी के बीच महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा मनमाने तरीके से महंगी किताबें, ड्रेस और स्टेशनरी खरीदने के लिए अभिभावकों को मजबूर किया जा रहा है, जो कि सरासर अन्याय है। कहा कि पहले ही देर हो रही है क्योंकि सत्र शुरू हो गए हैं या शुरू होने वाले हैं।सरकार से मांग करते हुए कहा कि तुरंत ऐसे हर स्कूल की जांच की जाए जहां महंगी किताबें लेने को मजबूर किया जा रहा हैं।

एक जगह से महंगी किताब लेने के लिए बाध्य करना बंद किया जाए और एक ही कोर्स के लिए एक ही किताब के सेट का नियम लागू किया जाए।

अलग अलग स्कूल एक बोर्ड के हैं तो अलग अलग किताबें क्यों। एक किताब होंगी तो सस्ती भी होंगी और लोगों के बीच उपलब्धता भी दिखेगी।इस दौरान पवन गुप्ता, नरेश त्रिपाठी, पदम मोहन मिश्रा, अजय श्रीवास्तव शीलू, राकेश साहू, धर्मेंद्र सिंह, अजय त्रिपाठी, आनंद शुक्ला, राम शंकर राय, शांतनु दीक्षित, मुकेश कनौजिया, दिनेश चौधरी, हिमांशु मिश्रा, राम जी दुबे, बृजेश गुप्ता, अकील अंसारी, राजेश सविता, विनोद अवस्थी, आशुतोष शुक्ला, मनोज मल्होत्रा, जितेंद्र ब्रह्म आदि थे।

थप्पड़बाज दरोगा का आतंक, बुजुर्ग के बाद अब युवक को बेरहमी से पीटा

» कई जगह लगे नाखून, कान से सुनाई देना बंद

» थाना प्रभारी बोले- मामला अभी संज्ञान में नहीं

» दरोगा ने युवक की पर ताबड़तोड़ थप्पड़ बरसाए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर की पुरवामीर चौकी में दरोगा ने पारिवारिक विवाद में आए युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसे सुनाई देना बंद हो गया है। बता दें कि इसी दरोगा पर पहले भी एक बुजुर्ग को पीटने का आरोप लग चुका है।कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में थप्पड़बाज दरोगा के आए दिन नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। बीती 24 मार्च को एक 75 वर्षीय वृद्ध पर थप्पड़ बरसाए थे, जिस पर वृद्ध ने मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं, अब महाराजपुर थाना क्षेत्र के डोमनपुर का मजरा अलावलखेड़ा के रहने वाले युवक ने पति-पत्नी के विवाद पर दरोगा द्वारा ताबड़तोड़ थप्पड़ बरसाने का आरोप लगाया है।

पीड़ित के मुताबिक, उसके गाल पर कई जगह नाखून लगे हैं और कान से सुनाई देना भी बंद हो गया है।

अलावलखेड़ा गांव के रहने वाले सुरेंद्र प्रताप ने बताया कि तीन वर्ष पहले कानपुर कांशीराम कॉलोनी की रहने वाली रश्मि से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से वह पत्नी के साथ कानपुर में ही किराये के कमरे पर रहता था।

गांव में मां के देहांत के बाद 80 वर्षीय वृद्ध पिता अकेले रहते थे।

पीड़ित ने बताया कि जब उसने पत्नी से पिता के साथ रहने के लिए कहा, तो पत्नी विवाद करने लगी और पुरवामीर चौकी जाकर शिकायत कर दी। आरोप है की चौकी में मौजूद दरोगा ने युवक की बात सुने बिना उस पर ताबड़तोड़ थप्पड़ बरसाना शुरू कर दिया।

इससे उसके गाल पर कई जगह नाखून के गहने निशान लग गए हैं।

इसके साथ ही बाएं कान पर चोट लगने की वजह से सुनाई भी नहीं दे रहा है। पीड़ित ने बताया कि अकारण दरोगा द्वारा की गई मारपीट से वह आहत है।

इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से करेगा। प्रकरण में महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मामला अभी संज्ञान में नहीं है। शिकायत आती है, तो मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

फिजीशियन-पैथोलॉजिस्ट कैसे कर सकते हैं सर्जरी? आईएमए ने आहूजा दंपती की गिरफ्तारी पर बुलाई आपात बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अवैध किडनी कांड में डॉ. प्रीति और डॉ. सुरजीत आहूजा की गिरफ्तारी के बाद आईएमए ने जांच कमेटी बनाई है। एसोसिएशन का कहना है कि सर्जन न होने के बावजूद प्रत्यारोपण में उनकी भूमिका की गहन जांच होगी।

कानपुर में अनाधिकृत किडनी प्रत्यारोपण के मामले में फिजीशियन डॉ. प्रीति आहूजा और उनके पैथोलॉजिस्ट पति डॉ. सुरजीत आहूजा की गिरफ्तारी के बाद आईएमए ने आपात बैठक बुलाई। इसमें विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद जांच कमेटी गठित की गई। यह तय हुआ कि सारे तथ्यों को परखने, डॉ. प्रीति से बाद करने पर सत्य पता किया जाएगा। इसके बाद एक्शन लिया जाएगा। एसोसिएशन ने अपने नेशनल हेडक्वार्टर को इस संबंध में सूचित कर निर्देश मांगे हैं।परेड स्थित आईएमए भवन में हुई बैठक में कहा गया कि अभी इस मामले में डॉ. प्रीति आहूजा और डॉ. सुरजीत से किसी की बात नहीं हुई। आईएमए अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा ने बताया कि बुधवार या गुरुवार को वह उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति से मिलेंगे। इसके साथ ही प्रशासन से भी इस प्रकरण की ब्योरा मांगा गया है। आईएमए के पास अभी प्रकरण के संबंध में जानकारी नहीं है। सत्यता का पता करने के बाद एक्शन तय किया जाएगा। इसके साथ ही नेशनल हेडक्वार्टर से भी निर्देश आएंगे।

जांच कमेटी में एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मेहरोत्रा और सचिव डॉ. शालिनी मोहन हैं। कमेटी प्रकरण में आंतरिक जांच करेगी। डॉ. शालिनी ने कहा कि प्रकरण का निष्कर्ष आ जाए और वे दोषी पाए जाते हैं तो जो कानूनन सही होगा वही एक्शन लिया जाएगा। डॉ. प्रीति फिजीशियन है और डॉ. सुरजीत पैथोलॉजिस्ट। इनमें कोई सर्जन नहीं है। ये दोनों ही किडनी प्रत्यारोपण नहीं कर सकते। बैठक में पूर्व आईएमए अध्यक्ष डॉ. नंदिनी रस्तोगी, डॉ. पंकज गुलाटी और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

किडनी कांड रैकेट के आरोपियों पर मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 की धारा 18, 19, 20 एवं बीएनएस की 143 और 3 (5) की धाराएं लगाई गई हैं। धारा 18 अवैध रूप से मानव अंग निकालने से संबंधित है। इसमें 10 साल तक की कैद और 20 लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है।

धारा 19 में इसमें किसी को मानव अंग देने के लिए रजामंद करने पर दस साल तक की सजा और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है।

धारा 20 में पांच साल तक की सजा या 20 लाख तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। मेडिकल प्रोफेशनल (डॉक्टर आदि) शामिल होने पर उनका लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। वहीं बीएनएस की धारा 143 में एक से अधिक व्यक्तियों का दुर्व्यापार करने वाले को उम्र कैद और जुर्माना से भरना पड़ सकता है। धारा 3 (5) सामूहिक आपराधिक दायित्व को बताती है।

अब पेट्रोल पंपों पर भी मिलेगा केरोसिन छह पंपों पर होगी बिक्री, 5000 लीटर तक ही रख सकेंगे स्टॉक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर जिले के छह चयनित पेट्रोल पंपों पर अब केरोसिन की बिक्री की जाएगी। इसके लिए इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के दो-दो पंपों को चिह्नित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

कानपुर जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बढ़ती मांग के बीच आम लोगों को राहत देने के लिए पेट्रोल पंपों पर केरोसिन बिक्री की तैयारी तेज हो गई है। केंद्र सरकार के निर्देश पर यह सुविधा शुरू की जा रही है। जिले में तीनों प्रमुख तेल कंपनियों के दो-दो पेट्रोल पंपों पर केरोसिन उपलब्ध कराया जाएगा। इस तरह कुल छह पेट्रोल पंपों पर यह सुविधा मिलेगी।

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियां अपने-अपने दो पंपों पर केरोसिन यूनिट स्थापित करेंगी। अधिकारियों के अनुसार, ऐसे पंप चिह्नित किए जाएंगे जहां अधिक आबादी को सीधा लाभ मिल सके। योजना के तहत जिले की सभी चार तहसीलों में कम से कम एक-एक पेट्रोल पंप पर यह सुविधा उपलब्ध होगी।तीनों कंपनियों के कुल 350 से अधिक पंप हैं संचालित

चयनित पंपों पर अधिकतम 5000 लीटर तक केरोसिन स्टॉक रखने और बिक्री की अनुमति दी जाएगी। जिले में तीनों कंपनियों के कुल 350 से अधिक पंप संचालित हैं। इसमें सबसे ज्यादा करीब 160 पंप सिर्फ इंडियन ऑयल के हैं। जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि केरोसिन बिक्री के लिए पंपों के चयन प्रक्रिया के कोई निर्देश अभी नहीं मिल सके हैं। आदेश मिलते ही पंपों का चयन कर केरोसिन बिक्री की अनुमति दी जाएगी।

22 मई से शुरू होगी डिजिटल जनगणना दो चरणों में होगी प्रक्रिया, नागरिकों को मिलेगा स्व-गणना का विकल्प

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। देश की पहली डिजिटल जनगणना 22 मई 2026 से शुरू होगी, जिसमें लोग सात मई से खुद ऑनलाइन डाटा भर सकेंगे। घरों की गिनती जून तक चलेगी और वास्तविक जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में होगी।

जनगणना 2027 का आगाज 22 मई से होने जा रहा है। करीब एक दशक बाद हो रही जनगणना इस बार पूरी तरह डिजिटल और आधुनिक स्वरूप में होगी। पिछली जनगणना वर्ष 2010-11 में हुई थी। दो चरणों में होने वाली जनगणना में पहले चरण में घरों की गिनती 22 मई से 20 जून तक होगी। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना नौ से 28 फरवरी 2027 के बीच होगी।

इसमें वास्तविक जनसंख्या का आंकड़ा एकत्र किया जाएगा। इस बार नागरिकों को स्व गणना का विकल्प मिलेगा, लोग घर बैठे ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। डाटा भरने के बाद एक यूनिक कोड मिलेगा जिसे प्रगणक को दिखाना होगा। सात मई से 21 मई 2026 तक स्व गणना होगी। 22 मई से 20 जून 2026 तक घरों की गणना होगी।

मिश्री मठ के परमाध्यक्ष करौली शंकर महादेव बने महामंडलेश्वर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्री करौली शंकर महादेव धाम, मिश्री मठ के परमाध्यक्ष करौली शंकर महादेव महाराज का मंगलवार को हरिद्वार में वैदिक पद्धति और परंपरा से पट्टाभिषेक समारोह आयोजित कर महामंडलेश्वर की उपाधि से अलंकृत किया गया। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण में आयोजित भव्य समारोह के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधियों से पूरा वातावरण सनातन की आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा।

श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के मुखिया महंत भगतराम जी महाराज ने पट्टाभिषेक समारोह में कहा कि करौली शंकर महादेव योग, मंत्र दीक्षा, ध्यान साधना व भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। वह देश-दुनिया में मानव मात्र को कष्टों से मुक्ति दिलाने का भागीरथ कार्य कर रहे हैं। अब अखाड़ा की परम्पराओं का पालन करते हुए मान-मर्यादा व सम्मान को और आगे बढ़ाएंगे।

सचिव मुखिया महंत जगतार मुनि जी ने कहा कि महामण्डलेश्वर के रूप में करौली शंकर महादेव श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाएंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविन्द्र पुरी जी महाराज ने कहा कि करौली शंकर महादेव महाराज विलक्षण संत हैं।

श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा श्री महंत ज्ञानदेव सिंह जी महाराज ने कहा कि करौली शंकर महादेव उच्च कोटि के साधक हैं। नया अखाड़ा ने उन्हें महामण्डलेश्वर बनाकर संत समाज को नयी ऊर्जा व शक्ति प्रदान की है। समारोह में उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि पट्टाभिषेक समारोह में उमड़ा संतों व भक्तों का सैलाब इस बात का प्रमाण है कि करौली शंकर महादेव हमारी आस्था के केन्द्र हैं। संचालन महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानन्द जी महाराज ने किया।

पट्टाभिषेक समारोह में मुखिया महंत आकाश मुनि, मुखिया महंत मंगलदास, अध्यक्ष महंत धूनी दास महाराज, अध्यक्ष महंत गोपाल दास जी महाराज शामिल रहे। समारोह में श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन से कोठारी राघवेंद्र दास, श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा के श्री महंत ज्ञानदेव सिंह, महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद बड़ा उदासीन अखाड़ा, महामंडलेश्वर रूपेन्द्र प्रकाश, महामंडलेश्वर चंद्र मुनि, महामंडलेश्वर योगेंद्रानंद, उपस्थित रहे।

कानपुर में एक साथ तीन प्रमुख अभियानों का हुआ शुभारंभ

संचारी रोग नियंत्रण, स्कूल चलो और अखबार पढ़ो अभियान को मिली रफ्तार

» बीपीएस न्यूज/जे.ए.खान

कानपुर। कानपुर नगर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान, स्कूल चलो अभियान एवं अखबार पढ़ो अभियान का संयुक्त रूप से शुभारंभ किया गया। कंपोजिट विद्यालय, बेनाझाबर में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर चिकित्सा, शिक्षा एवं प्रशासनिक विभागों के अधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं तथा तीन विद्यार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें पुस्तकें वितरित की गईं। जिलाधिकारी ने उपस्थित जनसमूह को संचारी रोग नियंत्रण की शपथ दिलाते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखे और कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने 100 मीटर के दायरे में स्वच्छता एवं विद्यालयी नामांकन सुनिश्चित करने की अपील की तथा मच्छरजनित रोगों की रोकथाम हेतु जलभराव समाप्त करने पर जोर दिया।

इसके उपरांत नगर निगम की फागिंग गाड़ियों एवं जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही ÷अखबार पढ़ो अभियान÷ के अंतर्गत बच्चों को समाचार पत्र पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने जनसहभागिता से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

संपूर्ण विश्व की शांति और मानवता की रक्षा के लिए कराया गया शांति यज्ञ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आजकल पूरे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है। कुछ देशों की महत्वाकांक्षा ने इस पूरी पृथ्वी को विनाश की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। इससे चिंतित प्रजापति ब्रह्मकुमारीज, नवीन नगर की सेंटर इंचार्ज बीके अर्चना द्वारा संपूर्ण विश्व की शांति और मानवता की रक्षा हेतु राजयोग के सकाश सेवा से योग क्रिया करवाई गई। यह शांति यज्ञ कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व उप कुलपति स्वर्गीय सर्वज्ञसिंह कटियार के निवास स्थान पर बीके रितेश कटियार के मार्गदर्शन पर संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल, साहित्यकार व समाजसेविका सीमा अग्रवाल जागृति ने भाग लिया। राजयोग से सकाश सभा का संचालन बीके राजेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया।

कार्यक्रम में बीके स्वर्ण लता, ममता, प्रियंका, स्वाति, अनुपम, किरण, मंजू गोयल, मधु जैन, नीता, संतोषी, बीके वीरेंद्र सिंह, रिंकू जायसवाल, राम सेवक चौरसिया, सेंटर इंचार्ज बीके अर्चना आदि मौजूद रहे।

सपा नेता के नेतृत्व में दलित बेटी के साथ दुष्कर्म व निर्मम हत्या की घटना के विरोध में निकाला गया कैंडल मार्च

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में दलित बेटी लक्ष्मी पासी के साथ दुष्कर्म व निर्मम हत्या की घटना के विरोध में शुक्रवार की शाम गोला घाट में सपा नेता चौधरी सुनील यादव के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर गोला घाट तक निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में पीडीए कार्यकर्ता व स्थानीय लोग शामिल हुए। सभी अपने हाथों में बैनर व मोमबत्तियां थामें हुए थे।लोग न्याय की मांग करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान लोगों ने दोषियों को फांसी दो और पीड़िता को न्याय दो के जमकर नारे लगाए गए।सपा नेता चौधरी सुनील यादव ने कहा कि विधनू स्थित कठेरुआ गाँव में इस दुष्कर्म की घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है।ऐसी जघन्य घटनाएं कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने बाकी बचे दोषियों की भी शीघ्र गिरफ्तारी और फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। सपा अनुसूचित जाति के राष्ट्रीय महासचिव शिव कुमार पासवान ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाओं की रोक थाम के लिए सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।गोला घाट पहुंचकर सभी ने दो मिनट का मौन रखकर पीड़िता को श्रद्धांजलि दी। यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव वीरू पासवान ने बताया कि इस मामले को राष्ट्रीय नेतृत्व के सज्ञान में लेकर पीड़िता के परिजनों को माननीय अखिलेश यादव जी से आर्थिक मदद भी करायी गई है। इस दौरान प्रशासन से अपील की गई कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जल्द सजा दिलाई जाए। पीडीए पंचायत में ज्योति पासवान, गोमती देवी,मुकेश कनोजिया,संतोष राज चौधरी, केशव मधुसूदन, महबूब आलम व कई अन्य स्थानीय लोग शामिल थे।

केडीए का अवैध निर्माणों पर एक्शन, 950 वर्गमीटर का निर्माण सील, ध्वस्तीकरण की तैयारी

कानपुर। केडीए ने मंगलवार को सिंहपुर और मगरवारा में 950 वर्गमीटर के दो अवैध निर्माण सील किए। प्राधिकरण ने चार अप्रैल को गंभीरपुर कछार में पांच अवैध प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई तय की है।कानपुर में केडीए ने अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को जोन-1बी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन टीम ने करीब 950 वर्गमीटर में बने दो अवैध निर्माणों को सील कर दिया। कार्रवाई उपाध्यक्ष मदन सिंह और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई।पहली कार्रवाई में नेहरू बाग गेट नंबर-3, मगरवारा (उन्नाव) में मो. शाहबुद्दीन, मो. एहतिशाम व अन्य द्वारा करीब 700 वर्गमीटर में आरसीसी कॉलम पर किए गए निर्माण को सील किया गया। दूसरी कार्रवाई सिंहपुर बाजार के पीछे, प्लॉट संख्या-183 के सामने स्थित लगभग 250 वर्गमीटर क्षेत्र में जी+4 निर्माण पर की गई, जिसे जितेंद्र सिंह व अन्य द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के कराया जा रहा था।अवैध प्लाटिंग और व्यावसायिक निर्माणों का सर्वे करायादोनों परिसरों को पुलिस अभिरक्षा में सौंपने की प्रक्रिया जारी है। कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल समेत अन्य कर्मचारी और संबंधित थानों की पुलिस मौजूद रही। डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्लागंज-उन्नाव क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और व्यावसायिक निर्माणों का सर्वे कराया गया है। इसके तहत उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा 27 व 28 के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है।आगे भी लगातार जारी रहेगा अभियानउन्होंने बताया कि ग्राम गंभीरपुर कछार में अवैध रूप से विकसित की जा रही पांच प्लाटिंग चिन्हित की गई हैं, जिनके खिलाफ 4 अप्रैल को ध्वस्तीकरण/सीलिंग की कार्रवाई प्रस्तावित है। केडीए ने आम लोगों से अपील की है कि केवल प्राधिकरण से स्वीकृत कॉलोनियों में ही प्लॉट खरीदें और नक्शा व ले-आउट की जांच अवश्य करें। साथ ही प्लॉट खरीदने से पहले केडीए से जानकारी लेने की सलाह दी गई है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माणों के खिलाफ यह अभियान आगे

जीआरपी ने की स्टेशनों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

कानपुर। रेलवे ने 31 मार्च को राजस्व बढ़ाने के लिए बेटिकट यात्रियों के खिलाफ पूरे कानपुर समेत पूरे उत्तर मध्य जोन में घेराबंदी करके ताबड़तोड़ छापेमारी की जिसमें कई यात्री बेटिकट पकड़े गये। सिर्फ झांसी मंडल में रेलवे ने बेटिकट यात्रियों से 5.35 लाख रुपये की वसूली की।

मंगलवार को उप यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के दिशा निर्देशन में चेकिंग अभियान चलाया गया। कानपुर सेंट्रल स्टेशन, रावतपुर स्टेशन, अनवरगंज, गोविंदपुरी समेत कई स्टेशनों पर बेटिकट यात्रियों के विरुद्ध अभियान चला। इसी प्रकार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, नीलांचल एक्सप्रेस, नेता जी एक्सप्रेस, महाबोधि एक्सप्रेस, आगरा इंटरसिटी, प्रतापगढ़ इंटरसिटी, चित्रकूट एक्सप्रेस, कुशी नगर एक्सप्रेस, लखनऊ मेल समेत 100 से अधिक ट्रेनों में बेटिकट यात्रियों की तलाश में छापेमारी की गई।

उर्सला में पैसे लेकर 'आयुष्मान भव', कार्ड होने पर भी वसूल रहे रुपये, निदेशक बोले- बिना झिझक करें शिकायत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।उर्सला अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों से स्ट्रेचर, ड्रेसिंग और सर्जरी के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। निदेशक डॉ. बीसी पाल ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मरीजों से शिकायत करने की अपील की है।केस-1ः रसूलाबाद निवासी लक्ष्मी के कान में कुछ समस्या थी। उन्होंने ईएनटी विभाग में दिखाया तो सर्जरी की सलाह दी गई। लक्ष्मी ने बताया कि उनके पास आयुष्मान कार्ड था। इसके बावजूद दस हजार रुपये हमसे लिए गए हैं। दवाएं भी बाहर से ही लिखी जा रही हैं।

केस-2ः बांदा निवासी प्रदीप ने बताया कि एक्सीडेंट में उसका पैर में फ्रैक्चर हो गया था। पहले किसी निजी अस्पताल से रॉड लगवाई तो कोई असर नहीं हुआ। अब डॉक्टर ने पैर काटने की सलाह दी। इसके लिए भी 15 हजार रुपये यहां जमा किए, तब जाकर सर्जरी हुई है। दवाओं के लिए भी अलग से पैसे देने पड़े।केस-3ः फर्रुखाबाद निवासी महेंद्र ने बताया कि वे शुगर रोगी हैं। उनके पैर के अंगूठे में कालापन आया और दर्द होने लगा। यहां दिखाया तो पैर काटने को बताया। पहले घुटने के नीचे पैर काटा गया। उसके बाद अब घुटने के ऊपर तक काट दिया गया है। दो बार 15-15 हजार रुपये दे चुके हैं। आयुष्मान कार्ड भी लगाया है। फिर भी बाहर से दवाएं लिखी जा रही हैं।कानपुर में उर्सला अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारक रोगियों से भी उपकरणों और दवाओं के नाम पर पैसे वसूले जा रहे हैं। इतना ही नहीं सर्जरी तक के लिए रोगियों को पैसे देने पड़ रहे हैं। रोगियों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद पैसे देकर इलाज कराना मजबूरी है। रोगियों ने बताया कि जब उन्हें एक जगह से दूसरी जगह जांच के लिए जाना पड़ता है, तो स्ट्रेचर की जरूरत पड़ती है।इसके लिए भी जो स्ट्रेचर लेकर आता है, उसे भी 50 रुपये देने पड़ते हैं। मरहम पट्टी कराने में 100 रुपये तक देने पड़ते हैं। रोगियों का आरोप है कि आयुष्मान कार्ड है, फिर भी इम्प्लांट लगाने के नाम पर पैसे ले लिए। नाक-कान, गले और सामान्य सर्जरी तक में आठ से दस हजार रुपये देने ही पड़ रहे हैं। आयुष्मान कार्ड होने पर भी दवाएं बाहर से लिखी जाती हैं। रोगियों और उनके तीमारदारों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर व स्टाफ उन्हें बरगलाते हैं कि आयुष्मान कार्ड में मिलने वाला इम्प्लांट अच्छा नहीं है।डॉक्टरों ने छह हजार रुपये भी ले लिए, जबकि आयुष्मान कार्ड हैअगर थोड़ा अलग से खर्च करो तो बाहर वाला लगा दें, जो अच्छा रहेगा। उन्हीं से इलाज कराना तो मना भी नहीं कर पाते हैं। फर्रुखाबाद निवासी आदित्य ने बताया कि उनके रॉड पड़नी है। एक ऑपरेशन कूल्हे का पहले ही हो चुका है। अब पैर का हो रहा है। अभी इम्प्लांट पड़ा नहीं, लेकिन डॉक्टरों ने छह हजार रुपये भी ले लिए, जबकि आयुष्मान कार्ड है। दवाएं भी बाहर की लिख रहे थे पर भाई नाराज होने पर उन्होंने दवा यहां से लिखी।कोई भी डॉक्टर रोगियों को बाहर की दवाएं नहीं लिखेगा और अगर जरूरत पड़ती है, तो उन्हें जनऔषधि केंद्र की दवाएं ही लिखी जाएं। एक रोगी पर्चा लेकर आया था कि उसे बाहर की दवा लिख दी है। उसे तुरंत यहीं से दवाएं दिलाई गई हैं। रोगियों से अगर कोई डॉक्टर पैसे लेता है, तो रोगी और उनके तीमारदार बिना झिझक शिकायत करें।

आधी रात को ढहा 100 साल पुराना मकान, मलबे में दबकर सात घायल, सिलिंडर ने बढ़ाई धड़कनें, टला बड़ा हादसा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर में बेकनगंज के घनी आबादी वाले इलाके में सोमवार रात 100 साल पुराना एक जर्जर मकान भरभराकर ढह गया। मकान के भूतल में बनी चाय की दुकान और गुमटी में खड़े सात लोग मलबे के नीचे बुरी तरह से दब गए। लोगों ने हादसे की सूचना बजरिया पुलिस को दी। बजरिया, चमनगंज, बेकनगंज और सीसामऊ की पुलिस ने मलबे में दबे कुल सात लोगों को बाहर निकालकर हैलट और उर्सला में भर्ती कराया।बेकनगंज निवासी आयूब उर्फ राजू पेशे से सुनार हैं। उन्होंने करीब 20 साल पहले रूपम चौराहा के पास एक पुराना जर्जर मकान खरीदा था। जर्जर मकान में पान मसाला विक्रेता मंजूर रहता है। मकान के नीचे फरहान अजमेरी की चाय की दुकान है। बताया कि सोमवार रात करीब 10 बजे के आसपास दुकान पर लोगों की भीड़ लगी हुई थी। इस दौरान पहले जर्जर मकान की एक तरफ का मलबा गिरना शुरू हुआ तो लोग भाग खड़े हुए।मलबे में दबकर सात लोग घायलकुछ लोग नजरअंदाज कर बात करते रहे। तभी जर्जर मकान का पूरा हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। मलबे की चपेट में आने से किरायेदार मंजूर, चाय के होटल का कारीगर सलीम और दुकान पर खड़े तारिक, रियाज अहमद, दिलशाद समेत दो अन्य घायल हो गए। मलबे से दिलशाद के भाई आफताब की बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई।दमकलकर्मियों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचायापुलिस ने बैरिकेडिंग के बाद लाउड हेल्डर से भीड़ को किनारे किया। पुलिस ने दमकलकर्मियों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां उन लोगों की हालत खतरे से बाहर है। घटना की सूचना पर डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव, एडीसीपी अर्चना सिंह ने निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने बताया कि समय रहते मलबे से लोगों को निकालकर अस्पताल भिजवाया गया है।

सिलिंडर फटता, तो दहल जाता इलाकापुलिस के अनुसार जर्जर मकान के नीचे चाय की दुकान में सिलिंडर रखा हुआ था। अगर मलबे या फिर अन्य किसी कारण सिलिंडर फट जाता तो इलाका दहल जाता। पुलिस ने मलबे से सिलिंडर को निकालकर सुरक्षित स्थान पर रखवाया।

ईरान इजराइल युद्ध को देखते हुए जीएसटी के सर्वे छापे व सचलदल की कार्यवाही बंद हो : ज्ञानेश मिश्र

» रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकान व आने वाली सहालग को देखते हुए कॉमर्शियल सिलिंडर कराए जाएं उपलब्ध

» व्यापारियों उद्यमियों की समस्याओं को प्रदेश सरकार तक पहुंचाकर उनका निदान कराएंगे, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर अमल किया जाएगा : नटवर गोयल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के तत्वाधान में *व्यापारी उद्यमी संवाद* समारोह में कानपुर के क्षेत्रीय संगठनो कानपुर मोबाइल डीलर्स एसोसिएशन, चकरपुर हरी सब्जी व्यापार मण्डल सहित उनके कई पदाधिकारी संगठन में शामिल हुए। व्यापारी उद्यमी संवाद में मौजूद पदाधिकारियों ने स्टेट जीएसटी व सेंट्रल जीएसटी सहित अन्य सरकारी विभागों की समस्याएं उठाई। तय हुआ कि समस्याओं के निराकरण के लिए लखनऊ तक आवाज उठाई जाएगी।समारोह में भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि रेस्टोरेंट ,मिठाई की दुकान व आने वाली सहालग को देखते हुए कॉमर्शियल सिलिंडर उपलब्ध कराए जाएं जिससे खाने पीने का व्यापार फिर से पटरी पर आ सके और ईरान इजराइल युद्ध की वजह से प्रभावित व्यापार व उद्योग में जीएसटी के सर्वे छापे तत्काल बंद हो व सचलदल द्वारा धारा 129 का दुरुपयोग पूर्णतया बंद होना चाहिए इसे लेकर हम लोग लखनऊ में स्टेट जीएसटी के आयुक्त से मुलाकात करेंगे। व्यापारियों उद्यमियों की समस्याओं को प्रदेश सरकार तक पहुंचाकर उनका निदान कराएंगे और स्टेट जीएसटी सहित सभी सरकारी विभागों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर अमल किया जाएगा। आयोजन में कानपुर मोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज बलेचा, चकरपुर हरी सब्जी आढ़ती व्यापार मंडल के अध्यक्ष सौरभ पांडे अपने संगठन के साथी पदाधिकारियों सहित और कानपुर कपड़ा कमेटी के निदेशक रुमित सागरी भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल में शामिल हुए। संगठन के प्रदेश मंत्री रोशन गुप्ता व प्रदेश संगठन मंत्री संजय भदौरिया ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में अधिकतर जिलों में संगठन अपना काम कर रहा है। इसे और मजबूत करने के लिए लखनऊ में जल्द ही प्रदेश कार्यसमिति बुलाई जाएगी।

इस अवसर पर व्यापारी उद्यमी संवाद में प्रमुख रूप से जिला कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, जिला युवा अध्यक्ष आशीष मिश्र, संयुक्त महामंत्री नवीन तुलसानी, संजय मिश्र व के के गुप्ता, दक्षिण अध्यक्ष कमल त्रिपाठी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, नितिन अग्निहोत्री व अशोक शुक्ला, युवा प्रदेश संगठन महामंत्री विनायक पोद्दार, देश दीप बाधवा, अनुराग जायसवाल, मनोज गुप्ता कुक्कू, राजेश आहूजा, नीरज शुक्ला, सचिन त्रिवेदी, सुरेश सिंहवानी, जितेंद्र सिंह, अरुण पांडे, अरविंद गुप्ता, जनार्दन चौधरी, पवन गौड़, अनुज त्रिपाठी, प्रखर श्रीवास्तव, सीतेश वर्मा, अजय गुप्ता, अजय यादव,अश्विनी गुप्ता आदि थे।

कानपुर यातायात पुलिस ने दी राहत, 7 अप्रैल तक बढ़ाया ई-रिक्शा व ई-ऑटो के लिए क्यूआर कोड अभियान

कानपुर। कानपुर नगर में ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो के सुव्यवस्थित, सुरक्षित और नियंत्रित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा चलाया जा रहा कलर क्यूआर कोड स्टीकर रजिस्ट्रेशन अभियान सात अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। यातायात पुलिस के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि 25 फरवरी से संचालित इस अभियान की आखिरी तारीख 31 मार्च निर्धारित थी, जिसे अब 7 दिन बढ़ाकर 7 अप्रैल कर दिया गया है।

शहर के 37 थानों और एसीपी यातायात कार्यालयों में विशेष काउंटर स्थापित कर रजिस्ट्रेशन एवं स्टीकर वितरण किया जा रहा है। पुलिस ने सभी ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो स्वामियों व चालकों से अपील की है कि वे वाहन आरसी, ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा और आधार कार्ड की प्रति के साथ निर्धारित तिथि से पहले क्यूआर कोड स्टीकर प्राप्त कर लें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि 1 अप्रैल 2026 से बिना क्यूआर कोड, रजिस्ट्रेशन या वेरिफिकेशन के संचालित वाहनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें वाहन सीज करने या चालान की कार्रवाई शामिल है। यातायात पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि सात अप्रैल के बाद क्यूआर कोड स्टीकर जारी नहीं किया जाएगा। ऐसे में सभी वाहन स्वामी समय रहते रजिस्ट्रेशन कराकर यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें और शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग करें।

नालंदा के शीतला अष्टमी मेले में भगदड़ 8 श्रद्धालुओं की मौत कई अन्य घायल

» आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है

» मृतकों में सभी महिलाएं बताई जा रही

» बीपीएस न्यूज

पटना। बिहार के नालंदा जिले में शीतला अष्टमी के अवसर पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। मघड़ा गांव स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ के बीच अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 6 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है।

घटना के बाद मंदिर परिसर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायलों को तत्काल इलाज के लिए मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में सभी महिलाएं बताई जा रही हैं। अब तक दो मृतकों की पहचान सकुन्त बिहार निवासी दिनेश रजक की 50 वर्षीय पत्नी रीता देवी और मथुरापुर (नूरसराय) निवासी कमलेश प्रसाद की 45 वर्षीय पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है।यह हादसा चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी, यानी शीतला अष्टमी के दिन हुआ, जो इस वर्ष का अंतिम मंगलवार भी था। इस मौके पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ के अचानक बढ़ने और अव्यवस्था के कारण भगदड़ मच गई, जिससे लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे और स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई।सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। लेकिन घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है।ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि शीतला अष्टमी जैसे बड़े पर्व पर अपेक्षित संख्या में पुलिस बल की तैनाती नहीं की गई थी। साथ ही, बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ।घटना पर दुख जताते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है और सरकार पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था का आश्वासन देते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

दरअसल, मघड़ा गांव बिहारशरीफ से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां शीतला अष्टमी के दिन विशेष परंपरा के तहत घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता और एक दिन पहले तैयार किया गया ठंडा भोजन माता को भोग के रूप में अर्पित किया जाता है।

इस दिन मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिससे भीड़ बढ़ने और हादसे की आशंका बनी रहती है।

पीएम ने जताया शोक, मृतक परिजनों के लिए आर्थिक मदद

प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री ने नालंदा की घटना को अत्यंत दुखद बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के नालंदा जिले में हुए दर्दनाक हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री ने नालंदा की घटना को अत्यंत दुखद बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

उल्लेखनीय है कि नालंदा जिले के मघड़ा गांव स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ के दौरान अचानक भगदड़ मच गई। इस हादसे में कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग घायल हो गए।

सोनिया गांधी को मिली गंगा राम अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें 24 मार्च को बुखार होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सोनिया गांधी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टरों के अनुसार वे एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स दी गई।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार सोनिया गांधी को 24 मार्च की रात 10-22 बजे बुखार के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. डीएस राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में उन्हें एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स से इलाज दिया।

एसआईआर से बंगाल में असली मतदाताओं का मताधिकार छिनने का खतरा, ममता ने सीईसी को लिखा पत्र

» बनर्जी ने संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखने का किया आग्रह

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत निर्वाचन आयोग की कार्रवाई से बंगाल में असली मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है।

बनर्जी ने तीन पन्नों के पत्र में यह आरोप भी लगाया कि निर्वाचन आयोग की कार्रवाई लोगों के लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकारों को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिए जा रहे निर्णय लोगों के लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकारों को कमजोर करते प्रतीत हो रहे हैं। यह वह मापदंड नहीं है, जिसकी अपेक्षा किसी संवैधानिक प्राधिकार से की जाती है।बनर्जी ने आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने तथा संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखने का आग्रह किया। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा। मतों की गिनती चार मई को होगी।

ईरान ने दुबई के पास विशाल तेल टैंकर पर किया हमला, ट्रंप की ईरान को तबाह करने की चेतावनी

खाड़ी में तनाव: दुबई तट के पास कुवैत के जहाजअल-सल्मी पर ड्रोन स्ट्राइक

» बीपीएस न्यूज

दुबई। ईरान और इजराइल के बीच चल रहा युद्ध अब और भड़क गया है। सोमवार को ईरान ने दुबई के तट के पास पूरी तरह से कच्चे तेल से भरे एक टैंकर पर हमला कर दिया, जिससे उसमें आग लग गई। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता नहीं खोला, तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों और तेल कुओं को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।कुवैत के झंडे वाले जहाज अल-सल्मी पर हुआ यह हमला खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हो रहे हमलों की कड़ी का ताजा मामला है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद से मिसाइलों और ड्रोन के जरिए लगातार ऐसे हमले हो रहे हैं। कुवैत की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस टैंकर पर हमले की खबर के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल देखा गया। यह जहाज करीब 20 लाख बैरल तेल ले जाने में सक्षम है, जिसकी वर्तमान कीमत 200 मिलियन डॉलर (करीब 20 करोड़ डॉलर) से अधिक है। जहाज के मालिक कुवैत पेट्रोलियम कॉप ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है और समुद्र में तेल रिसाव की आशंका है। दुबई प्रशासन ने आग पर पाया काबू, कोई हताहत नहींदुबई के अधिकारियों ने बाद में बयान जारी कर बताया कि टैंकर पर हुए ड्रोन हमले के बाद लगी आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया है। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। एक महीने से चल रहा यह संघर्ष अब पूरे मध्य पूर्व में फैल चुका है। इसके कारण हजारों लोगों की जान जा चुकी है, ऊर्जा आपूर्ति बुरी तरह बाधित हो रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था के बड़े संकट में घिरने का खतरा पैदा हो गया है।

चीन के चोंगकिंग में निर्माणाधीन सुरंग में जोरदार धमाका, 4 की मौत, 9 घायल

» बीपीएस न्यूज

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग निकाय क्षेत्र में एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए बनाई जा रही एक सुरंग में हुए भीषण विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को इस दुर्घटना की पुष्टि की है। यह विस्फोट उस समय हुआ जब मजदूर सुरंग के भीतर निर्माण कार्य में लगे थे।

वानझोउ जिला परिवहन आयोग के अनुसार, यह विस्फोट सोमवार दोपहर को हुआ। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया जा रहा है। सुरंग इसी परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हादसे की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था।

आधी रात तक बचाव दल ने लापता व्यक्ति का शव बरामद कर लिया। वहीं, मलबे से निकाले गए घायलों में से तीन ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का कुल आंकड़ा चार पहुंच गया। शेष नौ घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच से संकेत मिले हैं कि सुरंग के भीतर किसी ज्वलनशील गैस के जमा होने के कारण यह विस्फोट हुआ। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पूरे घटनास्थल की घेराबंदी कर दी है। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। विशेषज्ञों की टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या सुरक्षा मानकों में कोई चूक हुई थी।

अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर लोग

अमेरिका और यूरोप में ईरान युद्ध और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विशाल प्रदर्शन हुए। 'नो किंग्स' रैलियों में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लेकर ट्रंप की कार्रवाइयों का विरोध जताया। अमेरिका का मिनेसोटा प्रांत इस आंदोलन का मुख्य केंद्र बनकर उभरा, जहां हजारों लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए ट्रंप की सख्त आव्रजन नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। सेंट पॉल में कैपिटल लॉन में आयोजित मुख्य रैली में प्रसिद्ध गायक ब्रूस स्प्रिंगस्टीन भी शामिल हुए। 85 लाख की आबादी वाले न्यूयॉर्क शहर से लेकर दो हजार से भी कम आबादी वाले ड्रिग्स कस्बे तक लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। अमेरिका के अलावा, यूरोप, लातिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया समेत कम से कम 12 देशों में भी विरोध-प्रदर्शन हुए।रोम में हजारों लोग सड़कों पर उतरे और उन्होंने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने इस्राइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के विरोध में बैनर भी लहराए।

बिहार में नीतीश कुमार का एमएलसी पद से इस्तीफा

» बीपीएस न्यूज

पटना। इस माह की शुरुआत में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी और जदयू के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) संजय कुमार ने कुमार का इस्तीफा विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह को सौंपा। अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि हां, मुझे इस्तीफा प्राप्त हुआ है और इसे स्वीकार कर लिया गया है। उनकी परिषद की सीट को जल्द ही आधिकारिक रूप से रिक्त घोषित किया जाएगा।इसके साथ ही राज्य में नये मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी पिछले कुछ समय से संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए संकेत दे रहे हैं कि कोई व्यक्ति विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य न रहने के बाद भी छह महीने तक मुख्यमंत्री पद पर बना रह सकता है। वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार जैसे नेताओं के इस तरह के बयानों ने इन अटकलों को और हवा दी है।

निजी स्कूलों में 'कमीशन' का खेल...बिक रहीं महंगी किताबें

» नियमों की अनदेखी

» एनसीईआरटी बनाम निजी किताबें

» अभिभावकों की मजबूरी

» बीपीएस न्यूज

मुरादाबाद। नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत के साथ ही निजी स्कूलों की किताबों को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। फीस के साथ-साथ महंगी पुस्तकें भी बजट पर भारी पड़ रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू करने के निर्देश होने के बावजूद कई स्कूल निजी प्रकाशकों की किताबें अनिवार्य कर रहे हैं। इससे अभिभावकों को हजारों रुपये अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है।

शहर के एक निजी स्कूल की कक्षा पांच की बुक लिस्ट में 16 किताबें शामिल हैं। इनकी कुल कीमत करीब 5938 रुपये है। इसके अलावा नोटबुक और स्टेशनरी जोड़ने पर खर्च 7581 रुपये तक पहुंच जाता है। सूची में वर्कबुक, प्रैक्टिस बुक और अलग-अलग विषयों की अतिरिक्त किताबें भी शामिल हैं। अभिभावकों ने मांग की है कि शिक्षा विभाग इस मामले में सख्ती करे और निजी प्रकाशकों के कमीशन पर रोक लगाए।

वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय का कहना है कि अभिभावकों की ओर से शिकायत मिलने पर जांच की जाएगी। इसके अलावा स्कूलवार किताबों की लिस्ट मंगाई गई है। स्कूल संचालक नियम विरुद्ध किताबें न लगाएं इसकी निगरानी की जाएगी।कक्षा पांच की सभी एनसीईआरटी किताबें लगभग 800 से 900 रुपये में उपलब्ध हो जाती हैं। इसके मुकाबले निजी प्रकाशकों की किताबों पर सात हजार रुपये से अधिक खर्च कराया जा रहा है। यानी अभिभावकों पर छह-सात हजार रुपये का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।सरकारी निर्देशों के अनुसार स्कूलों को एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से पढ़ाई करानी चाहिए और अतिरिक्त किताबें अनिवार्य नहीं की जा सकतीं। इसके बावजूद कई स्कूल 10 में से सिर्फ दो-तीन किताबें एनसीईआरटी की लगाकर बाकी सभी निजी प्रकाशकों की रख रहे हैं।अभिभावकों का कहना है कि स्कूल द्वारा दी गई सूची के अनुसार ही किताबें खरीदनी पड़ती हैं। खास बात यह है कि अधिकांश निजी स्कूलों की किताबें चुनिंदा दुकानों पर ही उपलब्ध हैं। ऐसे उन्हें महंगे दामों पर ही किताब खरीदनी पड़ रही हैं। बाजार में एनसीईआरटी किताबों की कमी भी परेशानी बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री योगी की मां पर अभद्र टिप्पणी करने पर मौलाना को हुआ पछतावा

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मौलाना अब्दुल्ला सलीम कासमी को यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बीच, मौलाना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह सीएम से हाथ जोड़कर अपनी गलती के लिए माफी मांग रहा है।

मौलाना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो लंगड़ाते हुए थाने जा रहा है। इसके अलावा एक और वीडियो है जिसमें वो हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आ रहा है। मौलवी ने वीडियो में कहा, 'मैं अब्दुल्ला सलीम कासमी अपने जुर्म को स्वीकार करता हूं। 5 मई 2024 को जिला भागलपुर के एक बस्ती मीरांचल में एक समाज सुधार कार्यक्रम मैं शामिल हुआ था। उसमें मैंने भाषण दिया था। उसी दौरान मेरी जुबान से कुछ ऐसी गंदी बातें उत्तर प्रदेश की सीएम की माता जी के लिए जो मेरी जुबान से नहीं निकलनी चाहिए था। मैं अपनी इस गलती की बिल्कुल हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं कि अब मुझसे आगे से यह गलती नहीं होगी।' क्लिप में उसे आगे कहते हुए सुना जा सकता है, 'मैं यह पैगाम तमाम साथियों को देना चाहता हूं कि अपने भाषण में ऐसी कोई बात न कहें जिससे किसी व्यक्ति या धर्म को कोई तकलीफ पहुंचे और फिर आपसी माहौल बिगड़े। अपने जुर्म के लिए मैं माफी मांगता हूं। मुझसे भविष्य में यह गलती नहीं होगी। मैं यूपी के सीएम से भी माफी मांगता हूं कि मेरी बात हरकत से कोई तकलीफ पहुंची है तो मुझे माफ कर दें।'

यूपी एसटीएफ ने मौलाना को सोमवार शाम पूर्णिया से दबोचा और देर रात उसे बहराइच लेकर आई। सर्किल ऑफिसर नारायण दत्त मिश्रा ने बताया था कि मौलवी ने एक विवादित भाषण दिया था, जो मार्च महीने की शुरुआत में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें उसने मुख्यमंत्री योगी की मां के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए।

पुलिस के अनुसार, मौलवी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 196, 299 और 353 के तहत स्नढ्ढक्र दर्ज की गई थी। ये सभी धाराएं (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास और भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव बनाए रखने के लिए हानिकारक कार्य करना), (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, जिसका मकसद किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाना) और (सार्वजनिक उपद्रव को बढ़ावा देने वाला बयान) पर आधारित हैं।मौलाना ने प्रदेश में लागू गौकशी कानूनों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री की मां के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। उन्होंने भड़काऊ अंदाज में कहा था कि यूपी में ऐसा कानून बना दिया गया है कि अगर किसी के पास मुख्यमंत्री की मां का गोश्त (मांस) भी मिल जाए, तो पुलिस उसका एनकाउंटर या पैरों में छेद कर देती है।

मंदिरों के नगर में कला और अध्यात्म की अद्भुत विरासत

पालीताणा, गुजरात का एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो शत्रुंजय पर्वत पर स्थित है। यहां 900 से अधिक मंदिर हैं, जो जैन धर्म की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और अद्भुत शिल्पकला को दर्शाते हैं। यह तीर्थ स्थल भक्ति,कलात्मक श्रेष्ठता व अहिंसा के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है।

भक्ति, कला और अहिंसा के वातावरण का अद्भुत संगम है गुजरात के भावनगर जिले में स्थित पालीताणा शहर। यह मात्र एक शहर नहीं, बल्कि आस्था का वह स्थल है जहां पहुंचकर हर श्रद्धालु स्वयं को परमात्मा के निकट पाता है। पालीताणा केवल पत्थरों की नक्काशी नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं का जीवंत दस्तावेज है। इसकी आध्यात्मिक ऊर्जा और शांत वातावरण हर आगंतुक को अंतर्मन की यात्रा पर ले जाता है। यह वह स्थान है जहां धर्म, कला और प्रकृति एक साथ मिलकर मानव को उच्चतर चेतना का अनुभव कराते हैं।

शत्रुंजय नदी के तट पर और शत्रुंजय पर्वत की गोद में बसा यह तीर्थ 'मंदिरों के नगर' के रूप में विश्वविख्यात है। यहां की प्रत्येक शिला और हर मंदिर जैन धर्म की गौरवशाली सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत की कहानी कहता है।जैन धर्म का पालन करने वाले श्रद्धालुओं के हृदय में पालीताणा का महत्वपूर्ण स्थान है। मान्यता है कि जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से 23 ने इस पर्वत को अपनी उपस्थिति से पवित्र किया था। प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) ने यहां अनंत बार विचरण किया और उनके प्रथम उपदेश की गूंज आज भी इन पहाड़ियों में महसूस की जा सकती है। यह 'शाश्वत तीर्थ' माना जाता है, जहां से अनगिनत आत्माओं के लिए मोक्ष की राह प्रशस्त हुई। प्रत्येक जैन श्रद्धालु का स्वप्न होता है कि वह जीवन में कम से कम एक बार यहां 3,500 से अधिक सीढ़ियों को चढ़कर भगवान के दर्शन करे।

शत्रुंजय पर्वत पर लगभग 900 मंदिर स्थित हैं, जिनमें 17,000 से अधिक प्रभु प्रतिमाएं प्रतिष्ठित हैं। ये मंदिर संगमरमर की नक्काशी का ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जिसकी तुलना विश्व में अन्यत्र दुर्लभ है।

आदिश्वर मंदिर - आदिश्वर मंदिर इस पर्वत का सबसे भव्य और मुख्य मंदिर है, जो सर्वोच्च चोटी पर स्थित है। माना जाता है कि इस स्थान पर भगवान आदिनाथ ने ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान आदिनाथ या ऋषभदेव जी की स्वर्णमयी प्रतिमा और मंदिर की सूक्ष्म नक्काशी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

भगवान आदिनाथ या ऋषभदेव जैन धर्म के वर्तमान अवसर्पिणी काल (समय चक्र) के प्रथम तीर्थंकर हैं। उन्हें 'ऋषभदेव' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनकी माता मरुदेवी ने जन्म से पहले 'वृषभ' (बैल) का सपना देखा था। वे पहले तीर्थंकर हैं, इसलिए उन्हें 'आदिनाथ' (आदि अर्थात? प्रथम नाथ यानी भगवान) कहा जाता है। उनका जन्म अयोध्या नगरी में चैत्र कृष्ण नवमी को नाभिराज (पिता) और मरुदेवी (माता) के घर हुआ था। वे सभ्यता के प्रवर्तक माने जाते हैं। उन्होंने ही लोगों को असि (तलवार), मसि (लिखना), कृषि (खेती), विद्या, वाणिज्य (व्यापार) और शिल्प (कला) की शिक्षा दी थी।

चौमुख मंदिर - चौमुख मंदिर का निर्माण 1618 में हुआ था। यह विशाल मंदिर चार मुखों वाला है, जहां से भगवान के दर्शन चारों दिशाओं में होते हैं। इसलिए इसे चौमुख मंदिर कहते हैं।

मुख्य मंदिर समूह (टूंक)

शत्रुंजय पर्वत पर मंदिरों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित किया गया है, जिन्हें टूंक कहा जाता है। यहां स्थित कुमारपाल टूंक सबसे प्राचीन और प्रमुख टूकों में से एक है। विमलशाह टूंक में भी भव्य मंदिर और नक्काशीदार मूर्तियां हैं। साथ ही यहां विभिन्न तीर्थंकरों को समर्पित 9 मुख्य टूंकों में से प्रत्येक का अपना ऐतिहासिक और महत्व है।

अन्य महत्वपूर्ण मंदिर

पुंडरीक स्वामी का मंदिर - यह भगवान आदिनाथ के प्रमुख शिष्य पुंडरीक स्वामी को समर्पित है, जिन्होंने इसी पर्वत से मोक्ष (जैन मत अनुसार) प्राप्त किया था।

अष्टपद मंदिर -यह मंदिर अष्टपद (जहां आदिनाथ मोक्ष हेतु गए) का प्रतीक माना जाता है।

रायण वृक्ष - भगवान आदिनाथ ने इस पवित्र वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। इस स्थान पर जाने वाले भक्त यहां अवश्य रुकते हैं।

भरत चक्रवर्ती का मंदिर - यह मंदिर राजा भरत (आदिनाथ के पुत्र) से संबंधित है, जिन्होंने सबसे पहला जिनालय बनवाया था।

मंदिरों के नियम-मान्यता है कि सूर्यास्त के बाद पर्वत पर केवल देवताओं का वास होता है, इसलिए रात में किसी भी मनुष्य (यहां तक कि पुजारियों को भी) को ऊपर रुकने की अनुमति नहीं है। श्रद्धालु खाली पेट और मौन रहकर सीढ़ियां चढ़ते हैं, जिसे भक्ति की एक कठिन तपस्या माना जाता है।

प्रथम शाकाहारी शहर-पालीताणा के नाम एक अद्वितीय उपलब्धि दर्ज है–यह दुनिया का पहला कानूनी रूप से शाकाहारी शहर है। वर्ष 2014 में जैन मुनियों के प्रयासों के बाद यहां मांसाहार, अंडे और पशु हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। यह निर्णय जैन धर्म के मूल सिद्धांत 'अहिंसा परमो धर्म:' का सजीव उदाहरण पेश करता है।

बेकिंग सोडा से दांत साफ करना सही है क्या, आइये इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं

नियमित रूप से दांतों की सफाई के लिए दो बार ब्रश करना चाहिए। यह आपकी ओरल हेल्थ के लिए भी सही है। इससे दांतों में कैविटी नहीं लगती है और न ही मसूड़ों से संबंधित समस्या होती है। कुछ लोग दांतों की क्लीनिंग के लिए सिर्फ बाजार में मिलने वाले पेस्ट का उपयोग नहीं करते हैं। इसके अलावा दांतों पर बेकिंग सोडा भी लगाते हैं। ऐसे में यह सवाल जरूर मन में उठता है कि दांतों पर बेकिंग सोडा लगाना कितना सही है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या बेकिंग सोडा का रोजाना कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा जिसको सोडियम बाइकार्बोनेट के नाम से जानते हैं। इसमें अल्कलाइन प्रॉपर्टी पाई जाती है। जोकि दांतों की हेल्थ के लिए सही है। इसका इस्तेमाल करने से दांतों की ऊपरी परत के दाग-धब्बे दूर होते हैं। प्लाक कम करते हैं और मुंह का एसिड भी बेअसर हो जाता है। देखा जाए, तो दांतों पर बेकिंग सोडा लगाना पूरी तरह सुरक्षित है। हेल्थ एक्सपर्ट इसको ओरल क्लींजर भी कहते हैं। इससे दांतों का पीलापन दूर हो जाता है और दाग-धब्बे भी निकलते हैं।

» कितनी बार यूज करें

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो सप्ताह में सिर्फ दो बार बेकिंग का इस्तेमाल करना काफी होता है। इससे ज्यादा बेकिंग सोडा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे दांतों को फायदा होने की जगह नुकसान हो सकता है। ओरल हाइजीन के लिए आप रोजाना दो बार ब्रश करें और समय-समय पर फ्लॉसिंग भी करनी चाहिए।

» बेकिंग सोडा यूज करने के नुकसान

अगर आप रोजाना बेकिंग सोडा का दांतों पर इस्तेमाल करते हैं, तो यह सही नहीं है। इससे दांतों का इनेमल कमजोर हो सकता है, जिससे दांतों की सेंसिटिविटी बढ़ सकती है। यह मसूड़ों को भी प्रभावित करता है। हेल्थ एक्सपर्ट भी बताते हैं कि अगर किसी ने अपने दांतों पर क्राउन, ब्रेसेस या कैप लगा रखी है, तो उन लोगों को भी बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कम करना चाहिए। ज्यादा इस्तेमाल करने से दांतों पर उपयोग हुए प्रोडक्ट कमजोर होकर निकल सकते हैं।

- **» बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से दांतों की चमक बढ़ती है और दाग-धब्बे दूर होते हैं।**
- **बेकिंग सोडा की सहायता से प्लाक दूर होता है।**
- **मुंह से मौजूद एसिड भी बेकिंग सोडा से माइल्ड हो जाता है।**
- **बेकिंग सोडा में अल्कलाइन पाया जाता है, जोकि मुंह की बदबू दूर करता है।**
- **बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से मुंह की बदबू से छुटकारा मिलता है।**

नई तारिकाओं को लंबी पारी का इंतजार

बॉलीवुड को कभी अच्छी हीरोइन के अभाव का सामना नहीं करना पड़ा। सुरैया, मधुबाला से लेकर माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या, प्रियंका चोपड़ा तक यह सिलसिला चला। लेकिन दीपिका पादुकोण के बाद तो ठहराव ही आ गया। बॉलीवुड को कभी अच्छी हीरोइन के अभाव का सामना नहीं करना पड़ा। सुरैया, मधुबाला से लेकर माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या, प्रियंका चोपड़ा तक यह सिलसिला चला। लेकिन दीपिका पादुकोण के बाद तो ठहराव ही आ गया। नयी तारिकाओं में लंबी पारी की होड़ तो है पर कई वजहों से यह शून्य भर नहीं पा रहा।

पिछले कुछ वर्षों में नई तारिकाओं के आने-जाने और गुम होने की बात खूब सुनने को मिल रही है। इसे यदि हम पुरानी नायिकाओं के संदर्भ में देखें, तो सुरैया, निम्मी, मधुबाला से लेकर माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या, प्रियंका चोपड़ा तक बॉलीवुड को कभी अच्छी हीरोइन के अभाव का सामना नहीं करना पड़ा। मगर अब कई आलोचक मानते हैं कि दीपिका पादुकोण के बाद से इसमें एक बड़ा ठहराव आ गया है। कोई भी नई तारिका आकर इस सिलसिले को गति नहीं दे पा रही है।

इसमें संदेह नहीं है कि दीपिका अपने पुराने रुतबे को अब शायद ही हासिल कर पाए। उन्हें तारिकाओं के इस शीर्षकाल की अंतिम कड़ी माना जा रहा है। प्रसिद्ध आलोचक रामसूरत मार्या बताते हैं कि फिलहाल तो उनके जैसा स्पार्क नयी किसी भी अभिनेत्री की प्रस्तुति में दिखाई नहीं पड़ा है। मार्या कहते हैं, 'दीपिका की प्रस्तुति का अपना एक अलग अंदाज था। उसका सम्मोहन आज तक है। मगर वक्त की शाख पर पत्ते तो सूखते ही हैं।' दीपिका ने भी कबूल कर लिया है कि वह अब किसी दौड़ में नहीं हैं। उनकी जगह आलिया भट्ट ने ली थी, पर उनका क्रेज कुछ खास नहीं चला। इसके बाद से ही कई तारिकाओं में होड़ जारी है। कृति सैनन, कियारा आडवाणी आदि दावे पेश तो करती हैं, लेकिन जल्द ही दम फूल जाता है। सुपरहिट फिल्म 'सैयारा' की नवोदित तारिका अनीत पड्डा ने भी अपना मजबूत दावा पेश किया है। पर उन्हें अभी कुछ वक्त देना पड़ेगा।कुछ यही हाल बाकी नवोदित तारिकाओं का भी है। वाणी कपूर, कियारा आडवाणी, कृति सैनन, सारा अली खान, रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर आदि की बात जाने दें, तो अनन्या पांडे, अनीत पड्डा, तृप्ति डिमरी आदि भी आने-जाने के खेल में शामिल हैं। पर इनके स्टारडम हासिल करने की क्षमता पर आलोचकों को संशय है। निस्संदेह बॉलीवुड में हीरोइन का स्वर्णकाल '50 से '90 के दशक तक माना जाता है। इस दौर के दौरान सुरैया से लेकर निम्मी, मधुबाला, नर्गिस, मीना कुमारी, वैजयंतीमाला, माला सिन्हा, वहीदा रहमान, हेमा मालिनी, रेखा, फिर माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या राय, श्रीदेवी आदि एक के बाद आई तारिकाओं की वजह से बॉलीवुड में हमेशा रौनक रही है। फिल्मों के जानकार राजगोपाल नांबियार कहते हैं, ' 1990 से बॉलीवुड की रौनक गायब हो रही है। जबकि हिंदी फिल्मों में कभी हीरोइन का अलग ही आकर्षण होता था। दर्शक इसी चार्म के चलते थिएटर आते थे। हर दौर में तीन-चार हीरोइन का सम्मोहन हावी रहा है। जहां सुरैया के रूप की बढ़-चढ़कर चर्चा होती थी, वहीं मधुबाला की खूबसूरती सभी को मोहित कर देती थी। वहीं नर्गिस से लेकर कामिनी कौशल तक कई हीरोइनों के सौंदर्य का अपना अलग-अलग सम्मोहन था। इनकी हर गतिविधि में दर्शकों की रुचि होती थी। यदि कीजिए सुरैया-देव की अति चर्चित प्रेम कहानी को। इनका विवाह जब नहीं हुआ, तो इनके प्रशंसक काफी हताश हुए थे। लोकप्रिय हीरोइनों के ऐसे किस्सों की लंबी

उस समय ज्यादातर हीरोइनों का अपना तिलिस्म और रुतबा होता था। कई चोटी की तारिकाएं तो पूरे दबदबे के साथ अपनी शर्तों पर फिल्मों में काम करती थीं और उन्हें फिल्म के नायक से ज्यादा तवज्जो मिलती थी। सुरैया, मधुबाला, नर्गिस, मीना कुमारी, वैजयंतीमाला, माला सिन्हा आदि तो हीरो के बराबर की फीस लेती थीं। इनके फैन भी होते थे, जो इनका एक अतिरिक्त प्लस पॉइंट होता था। जैसे कि ढेरों सिने-रसिक जहां मीना कुमारी या माला सिन्हा की सादगी के कायल थे, वहीं वैजयंतीमाला या शर्मिला टैगोर की अदाओं का भी अपना अलग प्रशंसक वर्ग होता था।

असल में ज्यादातर हीरोइनों की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वे बोल्डनेस के भरोसे रहती हैं। इस चक्कर में वे अपने आपको बहुत एक्सपोज कर देती हैं। इसमें उनकी सौम्यता और सादगी को बड़ा झटका लगता है।

किसी भी छोटी-बड़ी तारिका को जरा-सी लोकप्रियता मिलते ही अलग-अलग इंडोर्समेंट के ऑफर भी मिलने लगते हैं और अक्सर उनके बड़े इंडोर्समेंट का पारिश्रमिक किसी फिल्म के बराबर होता है। मसलन, अब कियारा आडवाणी के पास इतने ज्यादा इंडोर्समेंट हैं कि वे चाहकर भी फिल्मों पर बहुत कम ध्यान दे पाती हैं।

कमी इनकी संजीदगी में होती है, जबकि एक्टिंग हमेशा आपसे समर्पण की मांग करती है। यह पाठ वे पुराने दौर की दिग्गज हीरोइनों से सीख सकती हैं, पर नया कुछ सीखने या कोई चैलेंजिंग रोल करने में इनकी कोई खास दिलचस्पी नहीं, सिर्फ अपनी फीस और प्रचार से मतलब होता है। इसी चूक के चलते वे धीरे-धीरे लाइमलाइट से गायब हो जाती हैं।

बीएलओ ड्यूटी के नाम पर मार्च भर अध्यापन नहीं करने वाली सहायक अध्यापक का वेतन रोकने के निर्देश

» सीडीओ के औचक निरीक्षण में सामने आई लापरवाही, स्पष्टीकरण किया तलब

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने कम्पोजिट विद्यालय रामकृष्ण नगर तथा चुन्नीगंज क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भौसियां हाता का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्थाओं, उपस्थिति पंजिका, मिड डे मील व्यवस्था तथा परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का अवलोकन किया गया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भी उपस्थित रहे।कम्पोजिट विद्यालय रामकृष्ण नगर के निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का परीक्षण किया। पंजिका में सहायक अध्यापक प्रभा सिंह के उपस्थिति कॉलम में बीएलओ ड्यूटी अंकित पाई गई। इसके बाद मार्च माह की उपस्थिति का अवलोकन करने पर यह तथ्य सामने आया कि संबंधित सहायक अध्यापक द्वारा पूरे माह विद्यालय परिसर में अध्यापन कार्य नहीं किया गया। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रभा सिंह, सहायक अध्यापक का अप्रैल 2026 का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोका जाए तथा संबंधित से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि भविष्य में संबंधित का वेतन ईआरओ गोविंद नगर की संस्तुति प्राप्त होने के उपरांत ही आहरित किया जाए।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय में मिड डे मील व्यवस्था का जायजा लिया और छात्रों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता तथा व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही कम्पोजिट विद्यालय रामकृष्ण नगर में विद्यार्थियों के बीच माध्यम कॉपी एवं पाठ्य पुस्तकों का वितरण भी किया गया। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए और शिक्षण कार्य नियमित रूप से संचालित किया जाए। साथ ही ÷स्कूल चलो अभियान÷ के अंतर्गत हाउसहोल्ड सर्वे कर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय भौसियां हाता, चुन्नीगंज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में जिला पूर्ति विभाग की एक इमारत निर्मित पाई गई, जिसका उपयोग विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि समिति गठित कर उक्त भवन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करते हुए नियमानुसार नीलामी तथा ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित कराई जाए। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि भौसियां हाता विद्यालय में नामांकित सभी छात्र उपस्थित थे, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन की सराहना की।

टैगोर बालिका इंटर कालेज के वार्षिकोत्सव में मेधावी बच्चों को दिये गए पुरस्कार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। टैगोर बाल मंदिर बालिका इंटर कॉलेज कैनाल रोड में वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह 2025-26 मनाया गया जिसमें कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान एवं सांत्वना पुरस्कार पाने वाले बच्चों को मेडल देकर सम्मनित किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर सुशील गुप्ता जी ने स्वागत उद्बोधन दिया।विद्यालय की प्रबंधिका सीमा गुप्ता ने शिक्षा को सर्वोपरि बताते हुये स्कूल की प्रगति बताते हुए विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि शरद प्रकाश अग्रवाल पूर्व आयकर अधिकारी एवं सीमा अग्रवाल जागृति द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। उन्होंने विद्यालय के कुशल प्रबंधन एवं शिक्षकों के योगदान को सराहते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की एवं विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के सूत्र बताए। प्रधानाचार्य विकास श्रीवास्तव ने धन्यवाद संचालन मुस्कान, किरण रीता राजेश ने किया। अन्य प्रमुख लोगों में आशा, सुनैना, रश्मि निगम, रंजन प्रिया प्रजापति की उपस्थिति रही।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले मेधावी बच्चों में अविका राठौर, आराधना सिंह, राधिका साहू, ऐश्वर्या वर्मा, काव्या शर्मा, राखी वर्मा, श्रेया कश्यप, सूरज गुप्ता, साक्षी गुप्ता, शताक्षी शर्मा, अविरल सिंह, गरबा राठौर थी। सर्वश्रेष्ठ अभिभावक का पुरस्कार सिद्धरा सिद्दीकी के माता-पिता को दिया गया।

कानपुर किडनी कांड: 'आदर्श संग्राम पार्टी' ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, स्वतंत्र एजेंसी से जाँच की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में मानवता को शर्मसार करने वाले 'किडनी कांड' को लेकर राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में उबाल बढ़ता जा रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर आदर्श संग्राम पार्टी ने कड़ा रुख अपनाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जाँच किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी या सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराने की मांग की है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम भारती और राष्ट्रीय प्रवक्ता जे. ए. खान ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में आशंका जताई है कि इस संगठित गिरोह की जड़ें बहुत गहरी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली सफेदपोशों और रसूखदार अस्पताल संचालकों की संलिप्तता के कारण स्थानीय जाँच प्रभावित हो सकती है। पार्टी ने मांग की है कि इस मामले की तह तक पहुँचने के लिए इसे सीबीआई या विशेष जाँच टीम (एसआईटी) को सौंपा जाना चाहिए।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

राष्ट्रीय प्रवक्ता जे. ए. खान ने तीखे शब्दों में कहा कि किडनी जैसे अंगों की अवैध खरीद-फरोख्त केवल एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली की विफलता का प्रतीक है। उन्होंने पत्र के माध्यम से मांग की है कि- दोषियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत

कार्रवाई हो। संलिप्त अस्पतालों के लाइसेंस तुरंत निरस्त किए जाएं।?भविष्य में ऐसे कांड न हों, इसके लिए अंगों के प्रत्यारोपण नियमों की समीक्षा की जाए।

जनमानस में असुरक्षा का माहौल

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम भारती ने पत्र में स्पष्ट किया कि जिस प्रकार निर्दोष और गरीब लोगों को निशाना बनाकर उनके अंगों का सौदा किया गया, उससे आम जनता में चिकित्सा संस्थानों के प्रति अविश्वास पैदा हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप कर 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने की अपील की है ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके।

शहर की साक्षी असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य कर के पद पर हुई चयनित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मेधावी छात्रा साक्षी की प्रारंभिक शिक्षा जुगल देवी सरस्वती विद्यालय दीनदयाल नगर कानपुर से एवं स्नातक बीएससी तथा परास्नातक एमएससी (फिजिक्स) की शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से हुई। जिसमे कानपुर की साक्षी अपने तीसरे प्रयास में सफल होकर असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य कर के पद पर हुई चयनित हुई है।साक्षी की उपलब्धि से उनके पिता राम बहादुर पांडे जो कि स्वयं वाणिज्य कर विभाग / जीएसटी में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी, विजय शर्मा, रमेश मिश्रा, धर्मेंद्र अवस्थी, अनुज शुक्ला आदि ने विभाग का मान बढ़ाने के साथ ही कानपुर का भी नाम रोशन करने के लिए बधाई दी है। साक्षी को वाणिज्य कर परिवार के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों एवं अन्य जनों ने भी साक्षी की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता एवं आशीर्वाद दिया।

किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का हुआ खुलासा, रैकेट में शामिल 6 गिरफ्तार अन्य 04 की तलाश जारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के निर्देश पर डीसीपी वेस्ट एवं एसीपी कल्याणपुर के नेतृत्व में थाना रावतपुर पुलिस व सर्विलांस टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए किडनी ट्रांसप्लांट से जुड़े एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया गया।कार्रवाई के दौरान कल्याणपुर-रावतपुर क्षेत्र से कुल 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 04 अस्पताल संचालक शामिल हैं। वहीं, इस प्रकरण में संलिप्त अन्य 04 डॉक्टरों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।प्रारंभिक जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया है कि शहर के विभिन्न निजी अस्पतालों में अब तक लगभग 40 से 50 किडनी ट्रांसप्लांट किए जाने की आशंका है। पुलिस द्वारा पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच की जा रही है,

जिससे इसमें संलिप्त अन्य व्यक्तियों एवं संस्थानों की भी पहचान की जा सके। शीघ्र ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करते हुए प्रकरण का विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

किडनी रैकेट: स्वरूपनगर-लाजपतनगर के नर्सिंगहोम से जुड़े तार

कानपुर। कानपुर किडनी कांड की जांच स्वरूपनगर और लाजपतनगर के बड़े नर्सिंगहोम तक पहुंच गई है, जहां जेल गए आरोपी शिवम अग्रवाल का आना-जाना था। पुलिस ने लखनऊ की टीम में शामिल एक पूर्व टेक्नीशियन की पहचान की है, जिसने अब वहां अपना अस्पताल खोल लिया है।कानपुर शहर में अवैध तरीके से हुए किडनी ट्रांसप्लांट के तार स्वरूपनगर और लाजपतनगर के बड़े नर्सिंगहोम से जुड़ रहे हैं। यहां जेल भेजे गए शिवम अग्रवाल का आना-जाना था। दोनों जगह के कुछ स्टाफ भी आहूजा हॉस्पिटल में अक्सर आते थे। पुलिस ने दोनों नर्सिंगहोम के अधिकारियों और कुछ कर्मचारियों से शनिवार को पूछताछ की है। उन्हें बिना बताए कहीं भी बाहर जाने के लिए मना किया है।

केशवपुरम के आहूजा हॉस्पिटल में रविवार को हुए मुजफ्फनगर की पारुल तोमर को बेगूसराय के आयुष की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। ट्रांसप्लांट करने के लिए एक टीम गाजियाबाद और दूसरी लखनऊ से आई थी। पुलिस ने गाजियाबाद वाली टीम में शामिल कुलदीप सिंह राघव और राजेश तोमार को जेल भेजा जबकि ओटी मैनेजर मुदस्सर अली सिद्दीकी की तलाश की जा रही है।पुलिस ने उसकी पत्नी से उत्तमनगर स्थित फ्लैट में पूछताछ की है।

मोबाइल की लत युवाओं के लिए खतरा, अब काबिलियत का पैमाना बनेगा डीक्यू : जिलाधिकारी

सीएसजेएमयू में 'फाइटिंग डिजिटल एडिक्शन' कार्यक्रम, डिजिटल अनुशासन अपनाने का आह्वान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मोबाइल और इंटरनेट का अनियंत्रित उपयोग युवाओं की एकाग्रता, मानसिक संतुलन और उत्पादकता के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित फाइटिंग डिजिटल एडिक्शन कार्यक्रम में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में तकनीक का संतुलित उपयोग ही सफलता की कुंजी है और आने वाले समय में व्यक्ति की काबिलियत उसके डिजिटल व्यवहार से भी आंकी जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि बीसवीं शताब्दी में काबिलियत का पैमाना आईक्यू (इंटेलिजेंस क्रोशेन्ट) था। इक्कीसवीं शताब्दी के शुरुआती दौर में ईक्यू (इमोशनल क्रोशेन्ट) का महत्व बढ़ा, लेकिन अब डिजिटल युग में डीक्यू (डिजिटल क्रोशेन्ट) तेजी से महत्वपूर्ण हो रहा है और आने वाले समय में यही व्यक्ति की क्षमता का प्रमुख मानक बनेगा।

उन्होंने कहा कि आज का समय अटेंशन इकॉनमी का है, जहां बड़ी तकनीकी कंपनियां लोगों का ध्यान अपने प्लेटफॉर्म पर बनाए रखने के लिए मनोविज्ञान और तकनीक दोनों का इस्तेमाल कर रही हैं। भारत में लगभग 97 करोड़ इंटरनेट/मोबाइल कनेक्शन होने के कारण मोबाइल फोन इस व्यवस्था का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि मोबाइल एप्लिकेशन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस प्रकार डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता बार-बार फोन खोलें। इसमें कसीनो की स्लॉट मशीनों की तरह अनिश्चित पुरस्कार (इंटरमिटेंट रिइन्फोर्समेंट) का सिद्धांत काम करता है, जिससे मस्तिष्क में डोपामिन रिलीज होता है और व्यक्ति बार-बार स्क्रीन की ओर आकर्षित होता है।

उन्होंने मैकगिल विश्वविद्यालय में 1954 में हुए वैज्ञानिक प्रयोग का उल्लेख करते हुए बताया कि वैज्ञानिक जेम्स ओल्ड्स और पीटर मिल्नर ने पाया था कि मस्तिष्क में डोपामिन रिलीज होने पर चूहा भोजन और पानी छोड़कर बार-बार बटन दबाता रहा। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल प्लेटफॉर्म भी इसी सिद्धांत पर उपयोगकर्ताओं को लंबे समय तक जोड़े रखने का प्रयास करते हैं।

डिजिटल लत के संकेत

- बिना कारण बार-बार मोबाइल चेक करना
- थोड़ी देर के लिए फोन खोलकर घंटों ऑनलाइन रह जाना
- पढ़ाई या काम के दौरान ध्यान बार-बार मोबाइल की ओर जाना
- मोबाइल दूर होने पर बेचैनी या चिड़चिड़ापन महसूस होना
- देर रात तक स्क्रीन देखने से नींद प्रभावित होना
- परिवार और मित्रों के साथ समय कम बिताना
- आंखों में जलन, सिरदर्द या गर्दन-पीठ में दर्द की समस्या
- सोशल मीडिया देखने के बाद तनाव या तुलना की भावना बढ़ना
- ऑफलाइन गतिविधियों और शौक में रुचि कम होना
- मोबाइल कम करने की कोशिश के बावजूद उपयोग नियंत्रित न कर पाना

जिलाधिकारी ने युवाओं से कहा कि तकनीक से दूरी बनाना समाधान नहीं है, बल्कि डिजिटल अनुशासन विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने हाल ही में घोषित सिविल सेवा परीक्षा परिणाम का उदाहरण देते हुए कहा कि सफल अभ्यर्थियों में एक समानता यह रही कि उन्होंने तैयारी के दौरान मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु का उदाहरण देते हुए बताया कि पुल्लेला गोपीचंद की अकादमी में खिलाड़ियों के मोबाइल फोन सुबह चार बजे जमा करा लिए जाते हैं और सप्ताह के अंत में ही वापस दिए जाते हैं, जिससे उनका पूरा ध्यान अभ्यास पर केंद्रित रहता है।

इसी क्रम में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सृजन श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल लत केवल तकनीकी नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक समस्या भी है। इससे निपटने के लिए जागरूकता, आत्मनियंत्रण और परिवार तथा शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस पहल को तीन स्तरीय हस्तक्षेप मॉडल के रूप में लागू किया जाएगा, जिसमें छात्रों में डिजिटल अनुशासन विकसित करने, शिक्षकों और काउंसलरों को शुरुआती संकेत पहचानने का प्रशिक्षण देने तथा अभिभावकों को संतुलित डिजिटल वातावरण बनाने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया जाएगा।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत में लगभग 20 से 40 प्रतिशत युवा इंटरनेट एडिक्शन के जोखिम में हैं, जबकि कुछ अध्ययनों में कॉलेज छात्रों में यह आंकड़ा 51 प्रतिशत तक पाया गया है। अत्यधिक डिजिटल उपयोग का संबंध अवसाद, चिंता, तनाव और नींद से जुड़ी समस्याओं से भी पाया गया है।

कार्यक्रम में पारुल राजोरिया, डॉ. संदीप सिंह, क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. प्रियंका शुक्ला, डॉ. अनमोल श्रीवास्तव, सृजन श्रीवास्तव, दुर्गा यादव, अहमद अब्दुल्ला और आशीका मिश्रा सहित अन्य विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

कानपुर में कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सिरप और एनडीपीएस श्रेणी की अन्य दवाओं के अवैध भंडारण व तस्करी में शामिल एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त अपराध के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपराध शाखा और स्वाट टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवम अग्रवाल के रूप में हुई है, जो मुख्य आरोपी विनोद अग्रवाल का पुत्र है। विनोद अग्रवाल पहले से ही इस मामले में जेल में निरुद्ध है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला औषधि निरीक्षक की जांच के दौरान सामने आया था। जांच में पाया गया कि कानपुर के एक फर्म के माध्यम से कोडीन, ट्रामाडोल, टैपेंटाडोल और अल्प्राजोलाम जैसी एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं का बड़े पैमाने पर भंडारण और बिक्री की जा रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि फर्म द्वारा कई फर्जी कंपनियों के नाम पर दवाओं की सप्लाई की जा रही थी। सत्यापन के दौरान कई फर्मों के पते गलत पाए गए या वे अस्तित्व में ही नहीं थीं, जिससे अवैध कारोबार की पुष्टि हुई।पूछताछ में आरोपी शिवम अग्रवाल ने खुलासा किया कि फर्जी फर्मों के माध्यम से कूट रचित बिल बनाकर कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नशीली दवाओं की सप्लाई विभिन्न राज्यों में की जाती थी। पुलिस के अनुसार, करीब 14 महीनों में करोड़ों रुपये के कफ सिरप की खरीद-फरोख्त की गई, जिसकी जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच जारी है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने पत्रकारों को बताया कि कानपुर में इस मामले में आठ मुकदमे दर्ज हुए थे, जिनमें 11 अभियुक्त संलिप्त पाए गए। आज छठी व महत्वपूर्ण गिरफ्तारी के रूप में शिवम अग्रवाल को पकड़ा गया, जबकि उसके पिता की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी है।

प्रारंभिक एफआईआर में 26 लाख बोतलों का उल्लेख था, लेकिन विवेचना में यह संख्या बढ़कर लगभग 1.12 करोड़ बोतलों तक पहुंच गई। उन्होने बताया कि जांच में सामने आया कि अभियुक्त की दो कंपनियां हैं और उसे बद्दी (हिमाचल प्रदेश) व पानीपत से सप्लाई मिलती थी, जिसमें से लगभग 76 लाख बोतल बद्दी से आईं। अब तक लगभग आठ करोड़ रुपये की संपत्ति सीज की जा चुकी है, जिसकी सुनवाई ट्रिब्यूनल में चल रही है। शिवम पिछले पांच माह से फरार था, उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था और कई राज्यों में लोकेशन ट्रेस होने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाने हेतु राष्ट्रीय हस्ताक्षर अभियान का हुआ शुभारंभ

» बीपीएस न्यूज़ संवाददाता

इस अभियान के मुख्य उद्देश्य है

- » पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाना
- » पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करना
- » अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मजबूत करना

कानपुर। द जर्नलिस्ट एसोसिएशन (भारत) द्वारा देशभर में पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से ÷राष्ट्रीय हस्ताक्षर अभियान÷ का शुभारंभ किया जा रहा है। यह अभियान आगामी 6 महीनों तक राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश, जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तर तक संचालित किया जाएगा।देश में लगातार पत्रकारों पर हो रहे हमले, उत्पीड़न, झूठे मुकदमे एवं गिरफ्तारी की घटनाएं लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।द जर्नलिस्ट एसोसिएशन सभी पत्रकार संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं जागरूक नागरिकों से अपील करता है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने हस्ताक्षर देकर इस जनआंदोलन को मजबूत बनाएं।संगठन द्वारा अभियान के अंत में एकत्रित हस्ताक्षरों को माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं संबंधित राज्य सरकारों को ज्ञापन के रूप में सौंपा जाएगा।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश पाण्डेय ने कहा कि- जब तक पत्रकार सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। इसी कड़ी मे कानपुर जिला अध्यक्ष एस पी सिंह ने कहा की,यह अभियान पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। और इस आंदोलन. को रुकने नहीं दिया जायेगा।हस्ताक्षर अभियान में मुख्य रूप से जर्नीलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश पाण्डेय, कानपुर मण्डल प्रभारी राजू यादव, कानपुर जिला अध्यक्ष यस पी सिंह, राष्ट्रीय आई टी सेल इंचार्ज अमित कश्यप, कानपुर तहसील प्रभारी विनय पाण्डेय, कानपुर तहसील उपाध्यक्ष नेहा शर्मा, राधा भाटिया, लाला यादव, कानपुर जिला उपाध्यक्ष देवेश शर्मा, दुर्गेश कुमार, सानू चौहान, सतीश यादव, धीरेन्द्र यादव, संतोष चौरसिया, रमन श्रीवास्तव, मानस मिश्रा, अनार सिंह, प्रदीप मिश्रा,हरिओम तिवारी, अभिषेक, अनिल दीक्षित, आशुतोष शुक्ला, डी यस सेंगर, शैलेन्द्र तोमर, उमेश कुमार, हिमांशु, मनीष सोनी, नीरज त्रिपाठी, केशव फैज़, अबरार, इमरान आदि पत्रकार बंधु उपस्थित हुये।

बीपीएस न्यूज पत्रकार नवनीत गुप्ता का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया।

किडनी कांडः पुलिस की जांच में कुछ अन्य अस्पताल भी है जाँच के घेरे में

» बीपीएस न्यूज़ संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त पश्चिम, एस.एम. कासिम आबिदी ने पत्रकारों को बताया कि थाना रावतपुर क्षेत्र में विगत दिवसों में प्राइवेट अस्पतालों में अवैध किडनी खरीद-फरोख्त से संबंधित प्रकरण में अब तक कुल 08 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। जांच के दौरान कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम भी प्रकाश में आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

इसी क्रम में डॉक्टर रोहित नामक व्यक्ति का पता प्राप्त हुआ है, जो इंदिरापुरम, गाजियाबाद का निवासी है।

उसके संबंध में अन्य आवश्यक जानकारियाँ एकत्र की जा रही हैं तथा शीघ्र ही उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, डॉक्टर अली के संबंध में भी सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके आधार पर उसके निवास स्थान पर दबिश दी गई। प्रारंभिक जानकारी में उसके परिवार द्वारा बताया गया है कि वह डॉक्टर न होकर एक टेक्नीशियन के रूप में कार्य करता है। हालांकि, यह अभी प्रारंभिक जांच का हिस्सा है।

उसकी गिरफ्तारी एवं पूछताछ के उपरांत ही तथ्यों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

जांच के दौरान कुछ अन्य अस्पतालों के नाम भी प्रकाश में आए हैं, जहां इस प्रकार के ऑपरेशन किए जाने की जानकारी मिली है। अब तक लगभग 07-08 अस्पतालों के संबंध में सूचना प्राप्त हुई है। संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थानों से पूछताछ की जा रही है।

ओटी टेक्नीशियनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉक्टर अली द्वारा ऑपरेशन किए जाने की बात सामने आई है, किन्तु इस संबंध में सत्यापन जारी है।

पुलिस द्वारा विगत दो दिनों से निरंतर पूछताछ एवं साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त तथ्यों के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार का किया गया निरीक्षण

बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रति किया गया जागरूक

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुदेश कुमारी ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय, डिप्टी जेलर प्रदीप कुमार एवं जेलर मनीष कुमार भी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने 18 वर्ष से अधिक आयु के बंदियों के बैरक, महिला बैरक तथा कारागार अस्पताल का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि जिन बंदियों के पास अपने मुकदमे की पैरवी करने हेतु पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं,

उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाता है।इसके अतिरिक्त निरीक्षण के दौरान जेल लीगल एड क्लीनिक का भी अवलोकन किया गया। सचिव द्वारा पैरालीगल वॉलेंटियर्स (पीएलवी) से वार्ता कर यह जानकारी ली गई कि वे किस प्रकार बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने पीएलवी को निर्देशित किया कि वे बंदियों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध विधिक सहायता योजनाओं के प्रति निरंतर जागरूक करते रहें।अंत में अधिकारियों ने कारागार प्रशासन को निर्देश दिए कि बंदियों की सुविधाओं एवं उनके अधिकारों के संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जाएं।

एंटी रोमियो टीम व मिशन शक्ति टीम द्वारा चौपाल का आयोजन

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर में मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत एंटी रोमियो टीम व मिशन शक्ति टीम द्वारा चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा एवं नारी स्वावलंबन के संबंध में जागरूक करते हुए हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076, 1098, 112, 181, 102, 108 व 1930 (साइबर हेल्पलाइन) की जानकारी दी गई।कार्यक्रम मे उपलब्ध जन सुविधाओं एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि) के सुरक्षित उपयोग के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन देते हुए पंपलेट वितरित किए गए।

कारखाने में लगी आग, अथक प्रयासों के बाद आग पर पाया गया काबू

कानपुर। नगर के सचेंडी क्षेत्र में एक कारखाने के कबाड़ में अचानक आग लग गई। आग की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचे अग्निशमन कर्मचारियों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से किसी प्रकार की जन हानि नही हुई, वहीं आग लगने का कारण पता नही चल सका।जानकारी के अनुसार लगभग साढ़े बारह बजे अग्निशमन अधिकारी को भीमसेन थाना सचेडी के कला का पुरवा अंतर्गत फैक्ट्री मे आग की सूचना सूचना प्राप्त हुई, जिसके उपरांत मुख्य अग्निशमन अधिकारी कानपुर द्वारा कार्यवाही की गई और एफएस पनकी व फजलगंज से कुल 03 अग्निशमन वाहन अतिशीघ्र घटनास्थल पर पहुंचे एवं अथक परिश्रम करते हुये आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया। घटना मे कोई जन हानि नहीं हुई। बताया गया कि कारखाने के कबाड़ में आग लगी थी।

बाबा बड़े दयालू है ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू है

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पताः- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com

CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE

ORDER ONLINE ON amazon

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Sahu Ji Maharaj Restaurant

Since:1992

राजसी ठाट देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।